दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04, अंक 11 | ग्वालियर रविवार 28 फरवरी 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

खिलौना उद्योग में छिपी ताकत को बढ़ाना जरूरी : पीएम मोदी

इंडिया टॉय फेयर-2021 का वर्चुअली किया उद्घाटन

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि खिलौना उद्योग में छिपी ताकत को बढ़ाना बहुत जरूरी है। पीएम मोदी ने शनिवार को वर्चुअली इंडिया टॉय फेयर 2021 का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। इस दौरान पीएम ने कहा कि ये पहला टॉय फेयर केवल एक व्यापारिक या आर्थिक कार्यक्रम भर नहीं है। ये कार्यक्रम देश की सदियों पुरानी खेल और उल्लास की संस्कृति को मजबूत करने की एक कड़ी है। सिंधु घाटी सभ्यता, मोहनजो-दारो और हड़प्पा के दौर के खिलौनों पर पूरी दुनिया ने रिसर्च की है। पीएम मोदी ने कहा कि प्राचीन काल में दुनिया के यात्री जब भारत आते थे, तो भारत में खेलों को सीखते भी थे और अपने साथ लेकर भी जाते थे। आज जो शतरंज दुनिया में इतना लोकप्रिय है, वो पहले 'चतुरंग या चादुरंगा' के रूप में भारत में खेला जाता था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आधुनिक लूडो तब 'पच्चीसी' के रूप में खेला जाता था। हमारे धर्मग्रन्थों में भी आप देखिए, बाल राम के लिए अलग-अलग कितने ही खिलौनों का वर्णन मिलता है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि रीयूज और रीसायकलिंग जिस तरह से भारतीय जीवनशैली का हिस्सा रहे हैं, वही हमारे खिलौनों में भी दिखता है। ज्यादातर भारतीय खिलौने प्राकृतिक और पर्यावरण के अनुकूल चीजों से बनते हैं, उनमें इस्तेमाल होने वाले रंग भी प्राकृतिक और सुरक्षित होते हैं। उन्होंने कहा, %आज मैं देश के खिलौना निर्माताओं से भी अपील करना चाहता हूं कि आप ऐसे खिलौने बनाएं जो इकॉलजी और साइकॉलजी दोनों के लिए बेहतर हों! क्या हम ये प्रयास कर सकते हैं कि खिलौनों में कम से कम प्लास्टिक का उपयोग करें? ऐसी चीजों का उपयोग करें जिन्हें रिसायकिल कर सकते हैं।% पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय खेल और खिलौनों की ये खूबी रही है कि उनमें ज्ञान होता है, विज्ञान भी होता है, मनोरंजन होता है और मनोविज्ञान भी होता है। उदाहरण के तौर पर लट्टू को ही लें। जब बच्चे लट्टू से खेलने सीखते हैं तो लट्टू खेल खेल में ही उन्हें गुरुत्वाकर्षण और संतुलन का पाठ पढ़ा जाता है। पीएम ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्ले-आधारित और गतिविधि-आधारित शिक्षा को बड़े पैमाने पर शामिल किया गया है। ये एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था है जिसमें बच्चों में पहेलियों और खेलों के माध्यम से तार्किक और रचनात्मक सोच बढ़े, इस पर विशेष ध्यान दिया गया है। पीएम मोदी ने कहा कि खिलौनों के क्षेत्र में भारत के पास परंपरा भी है और प्रौद्योगिकी भी है, भारत के पास अवधारणाएं भी हैं, और प्रतिस्पर्धी भी है। हम दुनिया को पर्यावरण के अनुकूल खिलौने की ओर वापस लेकर जा सकते हैं, हमारे सॉफ्टवेयर इंजीनियर कंप्यूटर गेम के जरिये भारत की कहानियों को दुनिया तक पहुंचा सकते हैं। पीएम ने कहा कि अब देश ने खिलौना उद्योग को 24 प्रमुख क्षेत्रों में दर्जा दिया है। राष्ट्रीय खिलौना कार्य योजना भी तैयार हो गई है। इसमें 15 मंत्रालयों और विभागों को शामिल किया गया है ताकि ये उद्योग प्रतिस्पर्धी बने, देश के खिलौनों में आत्मनिर्भर बनें, और भारत के खिलौने दुनिया में भी जाएं। मोदी ने कहा कि अगर आज मेड इन इंडिया की मांग है तो आज भारत में हस्तनिर्मित की मांग भी उतनी ही बढ़ रही है। आज लोग खिलौनों को केवल एक उत्पाद के रूप में ही नहीं खरीदते हैं बल्कि उस खिलौने से जुड़े अनुभव से भी जुड़ना चाहते हैं।

न्यूज ट्रैक

ओपीनियन पोलः बंगाल में दीदी का डंका

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल सहित देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान हो चुका है. अगले कुछ दिनों में नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और प्रचार का शोर तेज हो जाएगा. पश्चिम बंगाल में पहले फेज की वोटिंग 27 मार्च को होनी है यानी ठीक महीने भर बाद. साल 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले इन पांच राज्यों के चुनाव को सेमी फाइनल के तौर पर देखा जा रहा है. पांचों में सबसे ज्यादा नजर किसी पर है तो वो राज्य है बंगाल. एक तरफ जहां दीदी यानी ममता बनर्जी एक बार फिर सत्ता में आने को लेकर निश्चिंत हैं तो वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में बीजेपी सोनार बांग्ला के नारे के साथ टक्कर देती नजर आ रही है. दो मई को ईवीएम से निकला जनादेश बंगाल के सियासी भविष्य पर मुहर लगाएगा. नेताओं के नारों, वादों और दावों की जंग के बीच चुनाव की तारीखों के एलान के बाद अब गेंद बंगाल की जनता के पाले में आ गयी है.

भारत को शक्तिशाली देखने में कुछ लोगों को दिक्कत होतीः नड्डा

नई दिल्ली। भाजपा अध्?यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को कांग्रेस पर हमला कर कहा कि कुछ लोगों को भारत को शक्तिशाली देखने में सवाल खड़े करने की आदत है। जब मैं पहली बार चुनाव लड़ने गया,तब कांग्रेस ने कहा कि ये तो दरिया के उस पार का है, जैसे कि मैं पाकिस्तान का हो गया। भाजपा अध्?यक्ष ने कहा कि कांग्रेस का काम भाई को भाई से लड़ाना है। संत गुरु रविदास जी की जयंती के अवसर पर नड्डा ने कहा कि ये हमारी जिम्मेदारी बनती है, कि गुरु रविदास जी के बताए रास्ते पर चलते हुए एक सशक्त और सामर्थ्यवान भारत हमें बनाना है।

कोई ऐसी जगह है जहां लगे कि सरकार लूट नहीं रही : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महंगाई और रोजगार के मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरते हुए तंज कसा है। ट्विटर पर राहुल गांधी ने एक बार फिर शनिवार को केंद्र सरकार पर जनता को लूटने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने ट्वीट करते हुए लोगों से पूछा कि रोजमर्रा की चीजें खरीदने के दौरान आपको यह नहीं लगता है कि सरकार आपको लूट रही है? राहुल ने ट्विटर पर लिखा है,क्या कोई ऐसी जगह है जहां रोज़मर्रा की ज़रूरत का सामान मिलता हो और वहां जाकर आपको ऐसा ना लगे कि सरकार आपको लूट रही है?

जीवनसाथी की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाना मानसिक क्रूरता के समानः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने एक सैन्य अधिकारी का उसकी पत्नी से तलाक मंजूर करते हुए कहा कि जीवनसाथी के खिलाफ मानहानिकारक शिकायतें करना और उसकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाना मानसिक क्रूरता के समान है। न्यायमूर्ति एस के कौल के नेतृत्व वाली पीठ ने कहा कि उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने टूटे हुए संबंध को मध्यमवर्गीय वैवाहिक जीवन की सामान्य टूट-फूट करार देकर अपने निर्णय में त्रुटि की। पीठ ने कहा,'यह निश्चित तौर पर प्रतिवादी द्वारा अपीलकर्ता के खिलाफ क्रूरता का मामला है और उच्च न्यायालय के फैसले को दरकिनार करने तथा परिवार अदालत के फैसले को बहाल करने के लिए पर्याप्त औचित्य पाया गया है।' इसने कहा,'इस तरह अपीलकर्ता अपनी शादी को खत्म करने का हकदार है और वैवाहिक अधिकारों की बहाली का प्रतिवादी का आवेदन खारिज माना जाता है। तदनुसार यह आदेश दिया जाता है।

सिवनी जिले में कुएं में गिरी कार, टीआई और एक आरक्षक की मौत

सिवनी। सवनी जिले के बंडोल थाना अंतर्गत पौड़ी गांव में शुक्रवार-शनिवार दरमियानी रात स्कार्पियो से लौट रहे छपारा पुलिस थाना प्रभारी नीलेश परतेती का वाहन एक आरक्षक सहित सड़क से कुछ दूरी पर स्थित खेत के कुएं में जा गिरा। हादसे में स्कार्पियो वाहन में सवार जिले के छपारा थाने में पदस्थ पुलिस निरीक्षक नीलेश परतेती (40) व वाहन चला रहे आरक्षक चंदकुमार चैधरी (38) की मौके पर मौत हो गई।

एसपी कुमार प्रतीक ने बताया कि इस दुखद हादसे के बाद पुलिस प्रशासन ने दोनों मृतक के परिवार को एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी है। साथ ही छपारा थाना प्रभारी निलेश परतेती के शव को छिंदवाड़ा पहुंचाए जाने की व्यवस्था की जा रही है। उनका अंतिम संस्कार छिंदवाड़ा में ही होगा। जानकारी के मुताबिक स्कार्पियो वाहन में सवार थाना प्रभारी व एक आरक्षक बीती रात कन्हीवाडा क्षेत्र से कलारबांकी-बंडोल होते हुए पुलिस थाना छपारा लौट रहे थे। कलारबांकी- बंडोल के बीच पौड़ी गांव के नजदीकी सड़क किनारे खेत में लगे ट्रांसफार्मर से टकरा कर कार अनियंत्रित होकर पास ही कुएं में जा गिरी। पानी से भरे कुएं में स्कार्पियो सहित गिरे छपारा थाना प्रभारी नीलेश परतेती व आरक्षक चंदकुमार चौधरी की मौके पर मौत हो गई। 27 फरवरी शनिवार सुबह 6-7 बजे के बीच खेत पहुंचे ग्रामीणों ने हादसे के निशान व कुएं में स्कार्पियो वाहन गिरा देखकर इसकी सूचना पुलिस को दी सूचना मिलते ही बंडोल थाना पुलिस सहित आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। शव व दुर्घटनाग्रस्त स्कार्पियो वाहनों को कुएं से निकाल लिया गया है। जिला अस्पताल में शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस हादसे से पुलिस विभाग का महकमा हतप्रभ है। टीआई नीलेश परतेती छिंदवाड़ा जिले के निवासी थे। बीते दो साल से परतेती छपारा थाना प्रभारी की रूप में पदस्थ थे। वहीं आरक्षक चंदकुमार चौधरी मूलतः जिले के बखारी गांव निवासी बताया गया है, जो बीते कई सालों से बालाघाट जिले में परिवार के साथ रह रहे थे।

बंगाल में सुरक्षा का इंतजाम ऐसा हो कि लोग बिना डरे मतदान करें

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों का घमासान अपने चरम पर है। चुनाव आयोग ने इन सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव कार्यक्रमों का ऐलान कर दिया। इस बीच कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा है कि हमने चुनाव आयोग से गुहार लगाई कि पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान सुरक्षा का इंतजाम ऐसा हो कि लोग बिना डरे चुनाव में भाग ले सकें। इसलिए चुनाव आयोग ने निर्णय लिया है कि बंगाल में 8 चरणों में चुनाव होंगे। चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि 27 मार्च से 29 अप्रैल तक मतदान होगा और दो मई को नतीजों का एलान होगा। राजनीतिक दृष्टि से सबसे संवेदनशील माने जाने वाले बंगाल में आयोग ने आठ चरणों में चुनाव कराने का फैसला लिया है, जो राज्य में अब तक का सबसे लंबा चुनाव होगा। इससे पहले यहां सात चरणों में चुनाव कराए गए हैं। इधर, असम में तीन चरणों में चुनाव होंगे। जबकि तमिलनाडु, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में एक-एक चरण में ही विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे। चुनावों के एलान के साथ ही इन राज्यों में आचार संहिता लागू हो गई है।

फिर डराने लगा कोरोना, लगातार तीसरे दिन 16 हजार से ऊपर मामले

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में भारत में 16,488 नए कोविड-19 मामले सामने आए, 12,771 लोग ठीक होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं जबकि 113 मौतें हुईं हैं। वहीं अब तक के कुल मामलों की बात करें तो ये आंकड़ा 1,10,79,979 पर है। 1,07,63,45 लोग ठीक होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं। देशभर में कुल 1,56,938 लोग अब तक जान गंवा चुके हैं। वहीं देश में 1,59,590 कोरोना मामले अभी सक्रिय हैं। इधर, टीकाकरण अभियान भी जोर पर है और 1,42,42,547 लोगों को टीका लगाया जा चुका है। देश में रिकवरी दर घटकर 97.21 और सक्रिय मामलों की दर बढ़कर 1.37 प्रतिशत हो गयी है जबकि मृत्युदर अभी 1.42 फीसदी है। अलग-अलग राज्यों में एक बार फिर कोरोना धीरे- धीरे गंभीर हो रहा है। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के मामलों में फिर से तेजी आने लगी है। पिछले 24 घंटों में राज्य में 8,807 नए मामले सामने आए हैं। 80 लोगों की मौत भी हुई है। 2772 लोगों को डिस्चार्ज किया गया। इसके अलावा, मुंबई में 1,167 मामले सामने आए हैं। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, महाराष्ट्र में कुल कोरोना के केस बढ़कर 21,21,119 हो गए हैं।

कांग्रेसी नेता बना रहे नया प्लान, गुलाम नबी आजाद करेंगे अगुवाई

नई दिल्ली । कांग्रेस के भीतर नए नेतृत्व और संगठन चुनाव की मांग के लिए सोनिया गांधी को खत लिखन वाले 23 कांग्रेस नेताओं का समूह %सेव द आइडिया ऑफ इंडिया% का राष्ट्रीयव्यापी अभियान लॉन्च करने जा रहा है। इस नए अभियान की अगुवाई गुलाम नबी आजाद करेंगे, जो सोनिया गांधी को खत लिखने वाले नेताओं के समूह में भी शामिल थे। इस कैंपेन के तहत जम्मू में कई रैलियां और जनसभाएं होंगी, जिसके लिए पूर्व राज्यसभा सदस्य गुलाम नबी आजाद ने अपने सहयोगियों को आमंत्रित किया है।

मंदसौर में बड़ी कार्रवाई

सहकारी समिति के प्रबंधक के घर लोकायुक्त का छापा

मंदसौर। प्रदेश में एक तरफ जहां महामारी कोरोना का प्रकोप कम होने का नाम नहीं ले रहा है, वही इस बीच मध्यप्रदेश में कई मामलों को लेकर कार्रवाई का दौर भी जारी है बता दें कि प्रदेश के मंदसौर से आय से अधिक संपत्ति का मामला सामने आया है, इस बीच मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले में हुई बड़ी कार्रवाई, छापामार कार्रवाई की खबर से हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के मुताबिक मंदसौर जिले के दलौदा के लदुसा गांव में आय से अधिक संपत्ति के मामले में धुंधड़का सहकारी समिति प्रबंधक के घर लोकायुक्त की टीम सुबह छापा मारने पहुंची,

बता दें कि लोकायुक्त की टीम को सहकारी समिति प्रबंधक के घर से लाखों रुपए कैश के अलावा कई बेनामी संपत्ति होने की सूचना मिली थी। बताते चलें कि लोकायुक्त की टीम द्वारा की गई ये कार्रवाई सुबह 6 बजे से लगातार चल रही है, कार्रवाई के दौरान लोकायुक्त की टीम न किसी को अंदर जाने दिया जा रहा है और ही कोई घर से बाहर आ रहा है, मिली जानकारी अनुसार सहकारी समिति प्रबंधक नन्द किशोर धाकड़ के घर लदुसा में लोकायुक्त की टीम को लाखों रुपए कैश, 2 मंजिला आलीशान बंगला, जमीनों के दस्तावेज, 2 ट्रैक्टर, एक आई 20 कार, 4 बाइक समेत लाखों रुपए की ज्वैलरी मिली है। आपको बताते चलें कि कोरोना संकट के बीच में प्रदेशभर में इन मामलों पर लगातार कार्रवाईयां की जा रही हैं, बता दें कि इससे पहले मध्यप्रदेश के बैतूल के कांग्रेस विधायक और उद्योगपति निलय डागा के घर और ऑफिस पर इनकम टैक्स की रेड से हड़कंप मच गया था, कांग्रेस के बैतूल से विधायक निलय डागा एवं उनके परिजनों के यहां आयकर विभाग को बड़ी सफलता हाथ लगी थी।

संक्षिप्त समाचार

डॉ सीरवी को मिला स्वर्ण पदक

बीकानेर। बीकानेर स्थित राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में ग्राम सारंगवास तहसील सोजत निवासी डॉ सूर्य प्रकाश सीरवी को पशु पोषण विभाग में स्नातकोत्तर उपाधि के लिए सत्र 2019 का स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। 25 फरवरी को सम्पन्न हुए दीक्षांत समारोह में राजस्थान के राज्यपाल माननीय श्री कलराज मिश्र तथा पशुपालन मंत्री श्री लालचंद कटारिया ने वर्चुअल रूप से उपस्थित होकर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. (डॉ) विष्णु शर्मा के हाथों स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। डॉ सूर्य प्रकाश ने अपनी सफलता का श्रेय कुलपति डॉ विष्णु शर्मा और परिवार के सभी सदस्यों को दिया। डॉ सीरवी को स्वर्ण पदक मिलने से सभी ग्रामवासियो को गर्व महसूस हो रहा है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के बैनर तले अवाडे का उद्घाटन
नगरपालिका अध्यक्ष ने द्वीप प्रज्वलित कर किया उदघाटन

पुष्पांजली टुडे सांचौर

शहर के जीनगर कोलोनी में गौवंश एवं मूकबधिर जीवों के जलपान हेतू भामाशाहों के सहयोग से निर्मित अवाडे का उद्घाटन नवनिर्वाचित नगरपालिका अध्यक्ष नरेश सेठ ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष का साफा पहनाकर स्वागत और सम्मान किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष नरेश सेठ ने भामाशाहों का आभार जताया और कहा कि गौसेवा परमोधर्म हैं और प्रत्येक मनुष्य को जीव मात्र के प्रति दया भाव रखना चाहिए तथा परोपकार के कार्य सरोकार करने चाहिए। इस अवसर पर हुकमाराम सोनगरा पूर्व पार्षद, मणीलाल जैन, विष्णु जीनगर पैरालीगल वॉलीयन्टर्स जिला विधिक सेवा जालोर , श्रवण सोलंकी समाजसेवी, भागीरथ पवांर, हरिओम मकवाणा, चन्द्र शेखर गर्ग, आलम मकवाणा, फुलाराम, चतुरमल सहित वार्ड वासी उपस्थित रहे।

पॉलिथीन खाने से हो रही गायों की मौत गौ रक्षा संगठन ने की पॉलीथिन प्रतिबंध की मांग

लहार(अर्पित गुप्ता) पुष्पांजली टुडे

नगर में पॉलिथीन खाने से बड़ी संख्या में गायों की मौत हो रही है ऐसा ही एक मामला सामने आया जहां गुप्ता पेट्रोल पंप के पीछे कुएं के पास एक छोटी गाय बीमार हालत में डली थी जिसे देखकर पंप के कर्मचारी छोटू श्रीवास्तव ने गौरक्षा संगठन प्रमुख संतोष चौहान को सूचना दी संतोष चौहान गौ रक्षा संगठन के शिबू भदोरिया,आकाश राजावत,रामू उपाध्याय,प्रशांत को लेकर पहुंचे डॉक्टर को बुलवाकर गाय का उपचार करवाया गया।लक्षणों के आधार पर डॉक्टर ने गाय को पॉलिथीन खाकर बीमार अशक्त कमजोर होना बताया गौ रक्षा संगठन के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि नगर में पॉलिथिन पर प्रतिबंध लगाया जाए जिससे पॉलिथीन खाकर हो रही गायों की मौत के संकट से गायों को बचाया जा सके।

दबोह में बाइक चोर हुए सक्रिय
पुलिस प्रशासन निष्क्रिय एक ही दिन में दो बाइक हुई चोरी, फिर भी पुलिस ने नही दिखाई सक्रियता

दबोह(अर्पित गुप्ता) पुष्पांजली टुडे

इन दिनों क्षेत्र में बाइक चोर पूर्ण रूप से सक्रिय हो गए है और वह लगातार पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता के चलते चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।दरअसल मामला दबोह नगर का है जहां पर लगातार स्थानीय पुलिस की निष्क्रियता के चलते शुक्रवार को एक ही दिन में दो दुपहिया वाहन चोरी हुए।यहां बता दें कि पहली बाइक चोरी 26 फरवरी की दोपहर यूको बैंक दबोह के सामने अशोक उपाध्याय की दुकान के बाहर से लॉक लगी हुई स्प्लेंडर प्लस चोरी हुई तो वहीं दूसरी बाइक उसी दिन रात के समय लक्ष्मी नारायण मैरिज गार्डन कोंच रोड के बाहर से चोरी हुई।यहां बता दें कि लक्ष्मी नारायण गार्डन में शुक्रवार को एक शादी थी और बाइक गार्डन के मुख्य द्वार के बाहर लॉक लगाकर खड़ी हुई थी।अगर पुलिस चाहे तो यूको बैंक के सामने से चोरी हुई बाइक पुलिस सामने दुकानों कर बाहर व यूको बैंक पर लगे कैमरों की मदद से खंगाल सकती है परंतु अब तक पुलिस ने न तो फरियादियो की शिकायत दर्ज की और न ही कैमरे खंगाले गए इससे साफ स्पष्ट है कि दबोह पुलिस की निष्क्रियता के चलते मोटरसाइकिल चोर बेधड़क होकर चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।शिकायत को लेकर फ़रियादी का कहना है कि वह लगातार थाने के चक्कर काट रहे है परन्तु अब तक उनकी मोटरसाइकिल चोरी की शिकायत दर्ज नही की गई। मैरिज गार्डन संचालक नही कर रहे नियमो का पालन,प्रशासन भी बेखबर यहां बता दें कि शासन के निर्देशानुसार मैरिज गार्डन संचालको को गार्डन में पार्किंग व गार्डन के अंदर व बाहर मुख्य द्वार पर सीसीटीवी कैमरा लगाना आवश्यक है परंतु नगर में संचालित सभी मैरिज गार्डन संचालक शासन के नियमो को ताक पर रखकर नियमो की धज्जियां उड़ाते हुए नियमो का पालन नही कर रहे हैं और स्थानीय पुलिस भी इनसे शासन के नियमो का पालन कराने में असफल नजर आ रही है।फिलहाल तो इतना कहना है कि यूको बैंक के सामने से चोरी हुई गाड़ी के लिए अगर पुलिस आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज सर्च कर तो बेशक चोर पकड़ सकते हैं तो वहीं मैरिज गार्डन से मोटरसाइकिल चोरी होने के कोई सबूत नही मिल पा रहे हैं क्योंकि मैरिज गार्डन में सीसीटीवी कैमरे ही नही लगवाए गए हैं।अब देखना यह है की क्या स्थानीय पुलिस शासन के नियमो को देखते हुए मैरिज गार्डन संचालको को सीसीटीवी लगाने के तत्काल आदेश देती है या फिर यूं ही मैरिज गार्डनों से बाइक चोरी होती रहेंगी और घटनाएं घटती रहेंगी

तिरूवल्लूर गिरवी और ज्लेवरी व्यापारियों की वार्षिक आम सभा का आयोजित की गई

तिरुवल्लुर पुष्पांजली टुडे

तमिलनाडु पौन ब्रोकेर्स एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की तिरुवल्लूर पश्चिम इकाई के अधिनिस्त क्षेत्रों क्रमशः तिरूत्तनी , पल्लीपेट और तिरुवल्लूर पश्चिम के गिरवी और ज्वैलरी व्यापारियों की वार्षिक आम सभा काकलूर स्तिथ श्री आईमाता मंदिर परिसर में शुक्रवार 26 फरवरी 2021 को दोपहर में आयोजित की गई।आमसभा के मुख्य अतिथि तमिलनाडु पौन ब्रोकेर्स एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानंद महाराज थे।आमसभा की अध्यक्षता तिरुवल्लूर पश्चिम इकाई के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश जैन ने की। इस आमसभा में प्रदेशाध्यक्ष स्वामी तेजानंद जी महाराज ने सदस्यों को नए परिचय पत्र वितरित किये।अगले वर्ष के लिए तिरुवल्लूर पश्चिम इकाई की नई संघटन कार्यकारिणी का चुनाव किया गया जिसमें नए पदाधिकारी चुने गए। अध्यक्ष विनायगम तिरूत्तनी उपाध्यक्ष गौतम जैन तिरूत्तनी सचिव केशाराम प्रजापत कोषाध्यक्ष राकेश पंवार घाँची निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश जैन कदम्बटूर को प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया गया नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को स्वामी तेजानंद जी महाराज ने पद और गोपनीयता की शपत दिलाई।मंच का संचालन संघटन के प्रदेश मीडिया विभाग के सचिव आर प्रवीण कुमार राठौड़ ने किया स्वामी तेजानंद महाराज ने व्यापारियों को, विशेषकर सर्राफा कारोबारियों को ईमानदारी से धंधा करने का आह्वान किया।उन्होंने राज्य के कुछ हिस्सों में व्यापारियों द्वारा हल्की गुणवत्ता के आभूषण बेचे जाने के मामले की चर्चा करते हुए कहा कि मुट्ठी भर व्यापारियों की बेईमानी के कारण संघटन की साख को बट्टा लगा है।उन्होंने व्यापारी सुरक्षा को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस कार्यक्रम मे तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के निवर्तमान जिला सचिव नेमाराम जाट जोधुपर शहर से पधारे श्री आईमाता सीरवी सेवा संस्थान ,जोधपुर के गणमान्य पदाधिकारियों मेघाराम सेणचा,ओमप्रकाश पंवार,जगदीश आगलेचा और माधुजी चोयल ने उपस्थित व्यापारी समुदाय को संबोधित करते हुए मजबूत संघटन के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने व्यापारियों को कानूनी बारीकियों के बारे में बताया और एक सफल व्यवसायी होने के लिए क्षेत्रीय जनता का दिल जीतने पर जोर दिया। सभी वरिष्ठ अतिथियों का क्षेत्रीय संघटन की तरफ से शॉल ओढ़ाकर बहुमान किया गया

थाना अम्बाह पुलिस ने 15 पेटी अवैध शराब कुल कीमती 72,000/- रुपये जप्त...

केशब पंडित अम्बाह. पुष्पांजली टुडे

पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार पाण्डे के निर्देश पर जिले भर में अवैध शराब की तस्करी पर अंकुश लगाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत मुखविर की सूचना पर से थाना अम्बाह पुलिस ने आरोपी रवि पुत्र कृपाराम सिंह तोमर उम्र 30 वर्ष निवासी महंत की पूठ के कब्जे से 15 पेटी राजस्थान रायल विहस्की कुल कीमती करीबन 72,000 रुपये यह अवैध शराब झुंडा वाले कुआ पर रखी करब में छुपाकर रखी गई थी जिसे जप्त कर कब्जा में लिया गया एवं मौके से आरोपी रवि तोमर के दो अन्य साथी एक मोटरसाइकिल को लेकर फरार हो गए है आरोपी रवि से उसके फरार साथियो एवं शराब के स्रोत को जानने के लिए पूछताछ की जा रही है। आरोपी रवि तोमर एवं उसक फरार अन्य दो साथियों के विरुद्ध थाना अंबाह पर अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया है। उक्त कार्यवाही में निरी योगेन्द्र सिंह जादौन उनि विवेक तोमर आर कुलदीप दोहरे,आर प्रशांत दंडोतिया,आर नरेन्द्र मौर्य,आर शिवकुमार सिंह भदौरिया,आर मनीष सीरोठिया की अहम भूमिका रही।

विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन हुआ

ब्रजपाल मेहगाव रिपोटर पुष्पांजली टुडे

मेहगांव मेहगांव विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन आज मेहगांव उप जेल पर किया गया जिसमें श्री अशोक गुप्ता अपर जिला न्यायाधीश की अध्यक्षता में एवं न्यायाधीश श्री शिवकुमार कौशल मौजूद रहे जिसमे कुल 69 बन्दी उपस्थित रहे उक्त शिविर में उपस्थित बंदियों को निःशुल्क। विधिक सहायता बन्दियों के अधिकार एवं लोक अदालत के माध्यम से राजीनामा योग्य प्रकरणों में होने बाले लाभ के सम्बंध में जानकारी बताई गई

आनलाइन ठगी का शिकार हुए पीड़ित को खाते में वापस कराई धनराशि

पुष्पांजली टुडे एटा

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री सुनील कुमार सिंह के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक अपराध एटा श्री राहुल कुमार के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने के परिदृश्य चलाए जा रहे अभियान के तहत साइबर सैल एटा द्वारा आनलाइन ठगी का शिकार हुए पीड़ित के खाते में शत प्रतिशत धनराशि 42269 रूपये वापस कराने में सफलता प्राप्त की गई है। दिनाँक 23.02.2021 को उच्चाधिकारियों को प्रार्थना पत्र देते हुए पीड़ित ने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा दिनाँक 22.02.2021 को आवेदक के स्टेट

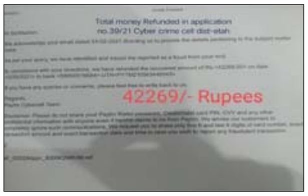

Total money Refunded in application
no.39/21 Cyber crime cell dist-etah

42269/- Rupees

बैंक ऑफ इण्ड़िया के खाते से 42269 रूपये का ट्रांजैक्शन कर लिया । जिससे आवेदक के खाते से कुल ?42269 निकाल लिये गये हैं। अपर पुलिस अधीक्षक अपराध एटा द्वारा साइबर सेल की टीम को प्रकरण की जांच कर पीड़ित की समुचित मदद करने हेतु निर्देशित किया गया। साइबर सैल एटा द्वारा मामले की गंभीरता से जांचकर त्वरित व लाभप्रद कार्यवाही करते हुए दिनाँक 26.02.2021 को पीड़ित की कुल ठगी गई धनराशि 42269.00/- रुपये की बड़ी रकम को उसके एकाउंट में वापस कराया गया है। अपने पैसे वापस पाकर पीड़ित द्वारा एटा पुलिस को धन्यवाद देते हुए भूरि भूरि प्रशंसा की गई है। साइबर सैल एटा द्वारा साइबर ठगी से बचने हेतु आमजन को संदेश 01- किसी भी कम्पनी का कस्टमर केयर नम्बर उस कम्पनी के आधिकारिक वेवसाइट से ही प्राप्त करें क्योकि आजकल साइबर ठगों द्वारा अपने नम्बरों को विभिन्न आनलाइन कम्पनियों के कस्टमर केयर के नाम से गूगल पर अपडेट किया गया है।

भाजपा नेत्री ने दो बच्चो को दिया जन्म

पुष्पांजली टुडे पाली

सोजत के पंचायत समिति सदस्य कविता सीरवी सुरायता ने शनिवार को बांगड़ अस्पताल पाली में दो बच्चो को जन्म दिया। बच्चे और नेत्री कविता तीनों ही स्वस्थ है। इस दौरान सोजत विधायक शोभा चौहान ने कविता को फोन कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुरेश चौधरी ने भी बधाई दी।

700 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब सहित 04 शराब तस्कर गिरफ्तार

एट। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा सुनील कुमार सिंह के निर्देशन में अवैध शराब तथा शराब तस्करों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा तस्करी को ले जाई जा रही 700 पेटी अवैध गैरप्रान्तीय अंग्रेजी शराब सहित चार शराब तस्करों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गयी है। घटनाक्रमानुसार दिनांक 26.02.2021 को थाना कोतवाली देहात पुलिस, जनपदीय स्वॉट व आबकारी टीम द्वारा चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर ट्रक में फोम के गद्दों व प्लाई के नीचे छुपाकर तस्करी को हरियाणा पानीपत से बिहार ले जायी जा रही गैरप्रांतीय अवैध अंग्रेजी शराब सहित चार शराब तस्करों को हाइवे पर गांव छितौनी के पास से समय करीब 16.10 बजे गिरफ्तार किया गया है। मौके से तीन गाड़ियों में छुपाकर रखी गई 700 पेटी अवैध गैरप्रांतीय अंग्रेजी शराब बरामद की गयी है। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 52 लाख रुपए है। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे यह शराब हरियाणा पानीपत से बिहार लेकर जा रहे थे, पुलिस चेकिंग से बचने के लिए फर्जी बिल्टी लेकर चलते हैं। इस प्रकार इस अवैध धन्धे में संलिप्त अभियुक्तगण अपने व्यक्तिगत लाभ के लिये दूसरे प्रान्त से सस्ते दर पर शराब खरीद कर उ0प्र0 तथा अन्य राज्यों में महंगी दर पर बेचकर उ0प्र0 सरकार के राजस्व को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इस संबंध में अभियुक्तगणों के विरुद्ध थाना कोतवाली देहात पर धारा 60, 63, 72 आबकारी अधिनियम व 420, 467, 468, 471 भादवि के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर प्रभावी वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

कोविड-19 वैक्सीनेशन द्वितीय टीकाकरण

पंकज त्रिपाठी, दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड जिला कोविड वैक्सीन सत्र स्थल चिकित्सालय परिसर भिण्ड में कोविड-19 वैक्सीनेशन द्वितीय डोज (कोवीसील्ड) के द्वितीय चरण में कल 26 फरवरी 2021 दोपहर तक 2156 हेल्थ केयर वर्करों का वैक्सीनेशन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजीत मिश्रा सहित पूर्व सीएमएचओ डॉ. राकेश शर्मा, शिशु रोग विशेषज्ञ, पूर्व सिविल सर्जन, डॉ. एस.एल. शर्मा,

डॉ. शशि शर्मा, स्त्री रोग विशेषज्ञ., डॉ. एच.डी. गुप्ता, एम.डी., सहित शहर के प्रतिष्ठित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा टीकाकरण सत्र स्थल पर उपस्थित होकर कोवीसील्ड का द्वितीय टीका लगवाया। डॉ. सतीश शर्मा, जिला टीकाकरण अधिकारी, डॉ. देवेश शर्मा, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, श्री राजेश शर्मा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, श्री दुर्गेश जोधा, जिला वैक्सीन कोल्डचैन मैंनेजर द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजीत मिश्रा को कोविड (द्वितीय) सम्पूर्ण टीकाकरण का प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।डॉ. अजीत मिश्रा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, भिण्ड ने बताया कि हेल्थ केयर वकरों को लगने वाले द्वितीय डोज की वैक्सीन पूर्ण से सुरक्षित एवं प्रभावी है डॉ. मिश्रा के द्वारा आम जन को संदेश दिया है कि सभी लोग स्वैच्छा से बिना किसी डर भय एवं अफवाहों से भ्रमित न होकर वैक्सीनेशन करवाऐं। एवं अपने आप एवं अपने परिवार को कोरोना महामारी से सुरक्षित रखें।

मंडलायुक्त ने जवाहरपुर विद्युत तापीय परियोजना, थाना मलावन का किया औचक निरीक्षण

पुष्पांजली टुडे एटा।

मंडलायुक्त गौरव दयाल ने अपने भ्रमण कार्यक्रम के दौरान शनिवार को सर्वप्रथम थाना मलावन का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान थाना प्रभारी को निर्देश दिए तहसील दिवस में थाने से संबंधित प्राप्त होने वाले शिकायती पत्रों को थाना समाधान दिवस के दौरान निस्तारित किया जाए। थाने पर आने वाले प्रत्येक फरियादी की बात सुनी जाए, जिससे जनता को लगे कि उनके साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार नहीं हो रहा है और उनकी समस्या का प्राथमिकता पर निस्तारण किया जा रहा है। पंचायत चुनाव नजदीक है इसलिए थाना क्षेत्र में अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाए। मंडलायुक्त ने जवाहरपुर विद्युत तापीय परियोजना के निरीक्षण के दौरान चीफ इंजीनियर राजेंद्र सिंह एवं दुसान कंपनी के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि

निर्धारित समय सीमा में परियोजना का कार्य पूर्ण किया जाए। उन्होंने इस दौरान बॉयलर एनडीसीटी 220केवी के स्विच यार्ड का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान प्लांट के ड्राइंग को देखा, तत्पश्चात दुसान कंपनी के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं परियोजना से जुड़े अधिकारियों आदि के साथ एक बैठक की। उन्होंने एडीएम प्रशासन को निर्देश दिए कि जवाहरपुर के लिए रेलवे एलाइनमेंट में आने वाली समस्त भूमि का बैनामा कराने में आ रही समस्याओं का अतिशीघ्र निदान किया जाए मंडलायुक्त ने कलेक्ट्रेट सभागार में शासन के नवीन प्राथमिकता बिंदुओ पर समीक्षा बैठक कर जनपद में चल रहे निर्माण कार्यों एवं विकास कार्यों में युद्ध स्तर पर तेजी लाए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि जनपद के समस्त विद्यालयों में ऑपरेशन कायाकल्प के तहत निर्धारित 14 पैरामीटर पर कायाकल्प कार्य हर हाल में 15 मार्च तक पूर्ण कराया जाए। पंचायत चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए प्राप्त होने वाली शिकायतों का भी प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ0 विभा चहल, एसएसपी सुनील कुमार सिंह, सीडीओ अजय प्रकाश, एडीएम वित्त एवं राजस्व केशव कुमार, एडीएम प्रशासन विवेक कुमार मिश्रा, एएसपी ओपी सिंह, एएसपी राहुल कुमार, समस्त उप जिलाधिकारी, डीडीओ एसएन सिंह कुशवाह, सीवीओ एसपी सिंह, चीफ इंजीनियर राजेन्द्र सिंह, क्षेत्राधिकारी इरफान नासिर खान, डीएसटीओ रमेश चंद्र सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

अमानत में खयानत करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

पुष्पांजली टुडे ग्वालियर।

पुलिस थाना हजीरा जिला ग्वालियर ने अमानत में खयानत करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार कर मारुति अर्टिगा कार कीमती 8,00,000 रुपये बरामद की। कई माह से आरोपी दे रहे थे चकमा पुलिस को। कोर्ट ने आरोपियों को भेजा जेल । दिनांक 27/2/21 पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर मध्य श्री पंकज पांडे ,नगर पुलिस अधीक्षक महाराजपुरा ग्वालियर रवि भदौरिया के निर्देशन में व पुलिस थाना हजीरा टीआई आलोक सिंह परिहार के नेतृत्व में पुलिस थाना हजीरा की टीम ने 2 आरोपी गिरफ्तार कर मारुति अर्टिगा कार कीमती 8,00,000 रुपये बरामद की । दिनांक 4/10/20 को पीतांबरा कॉलोनी हजीरा से फरियादी विनीत शर्मा निवासी पीतांबरा कॉलोनी की मारुति अर्टिगा कार क्रमांक स्क्क33 ष्ट 3158 को चालक बंटी गौड़ उर्फ कैलाश निवासी चंद्रनगर व चेतन गौड़ निवासी गंगा मालनपुर माँग दतिया व उज्जैन जाने की कह कर ले गए व कार लेकर चंपत हो गए। दिनांक 17 /10/ 20 को फरियादी ने थाना हजीरा में धारा 406 आइपीसी का अपराध दोनों के विरुद्ध दर्ज कराया ।कार व आरोपी गण की तलाश में हजीरा पुलिस ने शिवपुरी ,पानीपत,उज्जैन ,जबलपुर में छापा मारे लेकिन कार व आरोपी नहीं मिले । मुखबिर ने सूचना दी कि बंटी व लाला खटीक उर्फ राम सेवक निवासी शिंदे की छावनी कार को जबलपुर बेचने गए थे जब कार नहीं बिची तो कार को वापस बदनापुरा ग्वालियर वापस ले आए हैं व कार को कटवा कर बेचने की फिराक में है । इसी सूचना पर दोनों को गिरफ्तार कर कार जप्त की गई ।कोर्ट ने दोनों आआरोपी भेजे जेल शेष आरोपी चेतन गौड़ की तलाश जारी है थाना हजीरा की टीम में एएसआई राजवीर मावई, आरक्षक रूप किशोर शर्मा ,करन चौरसिया करन चौरसिया ,अरुण कुमार लोधी व अशोक सिकरवार शामिल रहे ।

निधन पर अत्येष्टि हेतु लकड़ी उपलब्ध कराई

बदरवास से हरिओम परिहार की रिपोर्ट पुष्पांजली टुडे

बदरवास नगर के वार्ड 9 मे निवासरत् हरिकिशन जाटव के भाई कई दिनो से बीमार चल रहा था आज शुबह 6 बजे हरिकिशन के भाई का निधन हो गया चूंकि हरिकिशन जाटव चार पहिये का ठेला चलाता है जिससे वह अपने परिवार का भरण पोषण बमुश्किल से कर पाता है एसे मे ही ये भीषण संकट परिवार पर एक बज्रपात की तरह गिरा है अब एसी संकटकालीन स्थिति में बदरवास नगर में विगत दो माह से निशुल्क जलसेवा कार्य करने वाले परमाल परिहार जी से हरिकिशन जाटव का संपर्क हुआ तो उन्होने तुरंत अंत्येष्टि हेतु लकड़ी उपलब्ध कराई और भविष्य मे भी हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया

संत रविदास जी ने कुरीतियों को मिटाने का कार्य किया- विधायक मेवाराम जाटव

पुष्पांजली टुडे गोहद

रविदास जयंती के अवसर पर गोहद में संत स्वामी विजयानंद टेकरी एवं बसवाय पुरा में झोरे के पुरा वाली जग्गा पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक मेवाराम जाटव ने हजारों की भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि संत रविदास जी ने समाज से कुरीतियों को मिटाने का कार्य किया। उन्होंने गंगा स्नान के समय हमारे समाज से कुरीतियों को मिटाया एवं समाज को जागृत करने का कार्य किया उन्होंने अन्य महापुरुषों पर बोलते हुए कहा कि सभी महापुरुषों ने दवे, कुचले, पीड़ित, वंचित शोषितों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिये है। इस अवसर पर उन्होंने विधायक निधि से जग्गा पर एक हैंडपंप, जग्गा की वाउंड्रीबाल एवं रोड बनवाने का आश्वासन दिया। इसी प्रकार संत स्वामी विजयानंद टेकरी पर अधूरी वाउंड्रीबाल विधायक निधि से बनवाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर संत अंतराम जी महाराज को मंदिर के लिए विधायक मेवाराम जाटव ने 2100 रुपए नगद भेंट किया। इस अवसर वसवाय पुरा में 18 गांव के लोगों ने मिलकर जोरदारी के साथ रविदास जयंती का कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें लगभग दस हजार लोगों की भीड़ एकत्रित हुई थी। कार्यक्रम का संचालन पूर्व सरपंच रामसहाय ने किया। संत स्वामी विजयानंद टेकरी पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक मेवाराम जाटव उपस्थित रहे। तथा कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष भीकम कौशल, एमएल सोनी, केदार कौशल, देवेंद्र पाठक, बबलू बरैया, विजय निगम, ब्रजेश चौरसिया, वीरेंद्र सिंह राणा, रामहेत जाटव, डॉ शिवचरण जयंत, राम अवतार, कालीचरण कुबेर, विनोद गर्ग, सुभाष बंसल, इन्जी. सोनू सिंह, राजेश बसैया आदि उपस्थित थे।

आजाद की पुण्यतिथि व रविदास की जयंती मनाई

पुष्पांजली टुडे भिण्ड

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि और संत रविदासजी की जयंती शहीद स्तंभ किले के पास पुरानी कचहरी के सामने जिला कांग्रेस महासचिव श्रीमती ममता मिश्रा द्वारा मनाई गई इस अवसर पर अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद को और संत रविदास जी को माल्यार्पण किया गया और इनके द्वारा किए गए कार्यों को याद किया गया इस अवसर पर नगर कार्यवाहक अध्यक्ष संतोष त्रिपाठी,जिला सचिव राहुल सिंह कुशवाह,महिला सेवादल जिलाध्यक्ष श्रीमती रीना चौहान,विनोद पंडित,सतपाल आगरिया,अजय जैन,अशोक गुप्ता,अनीस कुरेशी, आनंद शाक्य, संदीप शाक्य,अंकित तोमर,अरविंद सोनी, वीर प्रकाश श्रीवास्तव, पिंटू शर्मा, गोविंद शाक्य,कौशल खान आदि कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।

बड़ौनी पुलिस की कार्रवाईः 05 जुआरीयो से 3000 तथा छह मोटरसाइकिल जप्त

संदीप प्रधान पुष्पांजली टुडे

श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री अमन सिंह राठौड़ जी के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री कमल सिंह मौर्य व एसडीओपी महोदय बड़ौनी श्री उपेंद्र दीक्षित जी के मार्गदर्शन में थाना बड़ौनी पुलिस द्वारा मुखबिर सूचना पर दबिश देकर

ग्राम भासड़ा कला से 4 जुआरियों को 3500 रुपये तथा 06 मोटर साईकिल सहित गिरफ्तार किया गया इन पर हुई कार्यवाही 1- कुणाल पुत्र रामसुख खटीक निवासी भदोरिया की खिड़की दतिया 2- जितेंद्र पुत्र घनाराम लोहार निवासी ग्राम कामत थाना उन्नाव 3-नीलम पुत्र ओमवीर सिंह रावत निवासी ग्राम सड़ थाना करेरा जिला शिवपुरी 4-जितेंद्र रावत पुत्र चंदन सिंह रावत निवासी ग्राम सड थाना करैरा जिला शिवपुरी 5- कल्याण सिंह रावत पुत्र रामचरण रावत निवासी ग्राम भाषण खुर्द थाना बडोनी जिला दतिया । इनकी रही भूमिका थाना प्रभारी बडोनी रविन्द्र शर्मा, सउनि मान सिंह, सउनि महेश श्रीवास्तव, आर महेश शर्मा,भूपेंद्र, खुमान, कमलेश, मोनू कि कार्यवाही।

भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा बढ़ती महंगाई के विरोध में विशाल साइकिल रैली आज

लहार(अर्पित गुप्ता)पुष्पांजली टुडे ग्वालियर

भारतीय युवा कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने एक प्रेस नोट जारी करते हुए बताया कि प्रदेश में पेट्रोल डीजल एवं गैस की बढ़ती महंगाई के विरोध में आज 28 फरवरी को विशाल साइकिल रैली निकाली जाएगी।पूर्व राष्ट्रीय सचिव अनिरुद्ध प्रताप सिंह द्वारा बताया गया कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार एवं मध्य प्रदेश सरकार द्वारा संपूर्ण प्रदेश में डीजल पेट्रोल एवं गैस की कीमतों में निरंतर बेतहाशा वृद्धि एवं मध्य प्रदेश सरकार द्वारा देश में सर्वाधिक वेट टैक्स के लगाए जाने के विरोध में विधानसभा क्षेत्र लहार में युवा कांग्रेस द्वारा एक विशाल साइकिल रैली का आयोजन किया जा रहा है ,यह साइकिल रैली बालाजी मिहोना से 11ः00 बजे शुरू होकर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लहार के कार्यालय तक जाएगी,वहाँ पहुँच कर लहार एसडीएम को महामहिम राज्यपाल मध्यप्रदेश के नाम से एक ज्ञापन सौंपा जाएगा और विरोध प्रकट किया जाएगा,लगातार बढ़ती महंगाई से किसान गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोग परेशान हैं एवं भूखों मरने की कगार पर आ गए हैं एवं मध्यम वर्ग व्यापारी मध्यप्रदेश में संपूर्ण देश से अधिक वेट टेक्स होने के कारण उनका रोजगार चौपट हो रहा है,कल सुबह शुरू होने वाली साइकिल रैली में लहार विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉक्टर गोविंद सिंह जी,मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस के अध्यक्ष श्री दिनेश गुर्जर,लहार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री देवेंद्र त्रिपाठी,विधानसभा क्षेत्र के विधायक मेवाराम जाटव जी उपस्थित रहेंगे !

श्री वृंदावन धाम में कुंभ मेला का प्रथम शाही स्नान सकुशल सम्पन्न

पुष्पांजली टुडे मथुरा

वृंदावन में कुंभ मेला का पहला शाही स्नान 27 फरवरी को हुआ ! जिसमें अधिक संख्या में साधु संतो ने स्नान कर पुण्य अर्जित किया ! शाही स्नान में सभी अखाड़ों से महंतो एवम् महामंडलेश्वरों ने बैंड बाजों के साथ झाकियां निकाल कर श्री महर्षि देवरहा बाबा घाट पर स्नान किया ! कुंभ में साधु संतो के सम्मान में कुंभ क्षेत्र में हैलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई ! कुंभ पूर्व वैष्णव बैठक में अनी अखाड़ों के साधु संतो का धार्मिक जुलूस एवं शाही स्नान सकुशल सम्पन्न हुआ ! कुंभ में किन्नर अखाड़ा आकर्षण का केन्द्र रहा ! कुंभ में साधु संत धुनी तप करते दिखाई दिए ! श्री धाम वृंदावन में कुंभ पूर्व वैष्णव बैठक का आयोजन एवम् उदघाटन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के कर कमलों से 14 फरवरी को सम्पन्न हुआ !

आईटीआई भिण्ड पर रोजगार मेला का आयोजन कल

दैनिक पुष्पांजली टुडे भिण्ड, पंकज त्रिपाठी

आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश मा. मुख्यमंत्री जी द्वारा आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश निर्माण का रोडमैप तैयार किया गया है। जिसके अंतर्गत प्रत्येक माह में 100000 लोगों को रोजगार प्रदान किया जाना है। तकनीकी शिक्षा कौशल विकास विभाग भिण्ड में रोजगार विभाग के तत्वाधान में 28 फरबरी 2021 को प्रातः 10.00 बजे से आईटीआई भिण्ड में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। शिक्षित युवा बेरोजगार से आग्रह है कि अपने आधार कार्ड, मूल दस्तावेजों की छायाप्रति, बायोडाटा आदि लेकर रोजगार मेले में उपस्थित हों।

सपा ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

सोनु कुमार माथुर पुष्पांजली टुडे

आज दिनांक 27 फरवरी 2021 को राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव के आव्हान पर संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती पर समाजवादी पार्टी जनपद एटा ने जिला अध्यक्ष परवेज जुबेरी के नेतृत्व में महामहिम राष्टपति को संबोधित जिलाधिकारी महोदय एटा के माध्यम से एक ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में भारत सरकार द्वारा डीजल, पेट्रोल ,घरेलू गैस सिलेंडर की निरंतर बढ़ती हुई कीमतों में भारी वृद्धि ने देश में आम आदमी की कमर तोड़ कर रख दी है डीजल, पेट्रोल, घरेलू गैस के दाम में वृद्धि के कारण देश में खाद्य पदार्थों के दामों में असर पड़ रहा है भारत सरकार द्वारा पेट्रोलियम पदार्थों में

भारी वृद्धि के कारण किसान ,मजदूर ,आम आदमी की जेब पर डाका डाला जा रहा है समाजवादी पार्टी इसका पुरजोर विरोध करती है महामहिम राष्टपति महोदय को इस ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराना चाहती है कि केंद्र सरकार द्वारा जो रसोई गैस डीजल पेट्रोल के दामों में अपार वृद्धि को अविलंब वापस लिया जाए इस अवसर पर जिला महासचिव भूपेंद्र प्रजापति पार्टी के उपाध्यक्ष रणजीत यादव तहसीलदार सिंह बघेल सुनील यादव एवं शिक्षक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सत्यवीर सिंह दिवाकर, शशांक यादव ,अनिल सागर, राजकुमारी धनगर, राजूराम, सुनील यादव, अनिल यादव, खूबीराम, देवेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह प्रधान ,आदि पार्टी के पदाधिकारी उपस्थित थे

सीरवी समाज के धर्मगुरू माधोसिंह दीवान साहब

पुष्पांजली टुडे नारायणलाल

चेन्नई. सीरवी समाज के धर्मगुरु एवं राजस्थान के पूर्व चिकित्सा मंत्री माधोसिहं दीवान के यहां चेन्नई पहुंचने पर तंडियारपेट में सीरवी समाज के लोगों ने स्वागत किया। इस मौके पर बधावणा किया गया। महिलाओं ने उनकी आरती उतारी। इस अवसर पर शोभायात्रा निकाली गई जिसमें महिलाएं, युवतियां व बालिकाएं सिर पर कलश लेकर चल रही थी। दीवान माधोसिंह एक रथ पर सवार थे । इस दौरान

रास्ते में प्रवासियों एवं सीरवी समाज के लोगों ने पुष्प वर्षा से दीवान का स्वागत किया। इस दौरान बैण्ड की मधुर स्वरियां वातावरण को गुंजायमान कर रही थी। सीरवी समाज के लोगों ने अपने धर्मगुरु से आशीर्वाद लिया। उनके स्वागत के लिए चेन्नई महानगर के विभिन्न इलाकों से समाज के लोग पहुंचे थे। तंडियारपेट निवासी रामलाल सीरवी ने बताया कि दीवान माधोसिंह से आशीर्वाद के लिए दिनभर सीरवी समाज एवं प्रवासी समाज के लोग पहुंचे। इस

वीरांगना अवंतीबाई लोधी छात्रावास के लिए माँ नव जाग्रति शक्तिपीठ मंदिर रखौरा ने दिया ग्यारह हजार रुपये दान

रिपोर्टर-हरिओम परिहार पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी जिला मुख्यालय पर नव निर्माणाधीन महारानी वीरांगना अवंतीबाई लोधी छात्रावास के निर्माण में सहयोग के लिए माँ नव जाग्रति शक्तिपीठ मंदिर रखौरा तहसील पिछोर द्वारा 11000/- (ग्यारह हज़ार रुपये) की राशि दी है, आपकी जानकारी के लिए बता दें कि उक्त मंदिर प्रबंधन समिति हमेशा से ही शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज उत्थान के लिए काम करती रहती है, उक्त राशि समिति के प्रमुख सेवादार रघुवीर सिंह लोधी (लाला) सरपंच रखौरा

द्वारा जिले की टीम को उक्त दान की राशि भेट की इस अवसर पर खलक सिंह लोधी शिक्षक (जिला अध्यक्ष आलोक संघ), सूरत सिंह एक्स ग्रामसेवक, भूपत सिंह जी शिक्षक, हरीओम नरवरिया (काका जी शिवपुरी) ,रामदास लोधी एक्स बीईओ रखौरा, धर्मेन्द्र सिंह लोधी बाबूजी (जिला सचिव आलोक संघ) महेंद्र लोधी पत्रकार सेमरी, अजब सिंह लोधी सचिव (ब्लॉक उपाध्यक्ष आलोक पिछोर) मां नव जाग्रति शक्तिपीठ के पुजारी श्रीजी, नीरज आदि उपस्थित रहे

संपादकीए

आजादी पर अंकुश

केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया, ओटीटी प्लेटफॉर्म और डिजिटल न्यूज के लिए गाइडलाइन जारी की। सरकार ने कहा कि आलोचना और सवाल उठाने की आजादी है, पर सोशल मीडिया के करोड़ों यूजर्स की शिकायत निपटाने के लिए भी एक फोरम होना चाहिए। कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि सोशल मीडिया पर अगर किसी की गरिमा (खासतौर महिलाओं से जुड़े मामले) को ठेस पहुंचाने वाले कंटेंट की शिकायत मिलती है तो 24 घंटे में इसे हटाना होगा। वहीं, देश की सुरक्षा जैसे मामलों से जुड़ी जानकारी शेयर करने पर फर्स्ट ओरिजिन भी बताना होगा। वहीं सूचना और प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने ओटीटी और डिजिटल न्यूज पोर्टल्स के बारे में कहा कि उन्हें खुद को नियंत्रित करने की व्यवस्था बनानी चाहिए। जिस तरह फिल्मों के लिए सेंसर बोर्ड है, वैसी ही व्यवस्था ओटीटी के लिए हो। इस पर दिखाया जाने वाला कंटेंट उम्र के हिसाब से होना चाहिए। सोशल मीडिया में फ्रीडम ऑफ एक्सप्रेशन के इस्तेमाल बनाम गलत इस्तेमाल को लेकर लंबे वक्त से डिबेट चल रही थी। इस मामले में अहम मोड़ किसान आंदोलन के वक्त से आया। 26 जनवरी को जब लाल किले पर हिंसा हुई तो सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों पर सख्ती बरती। सरकार का कहना था कि अगर अमेरिका में कैपिटल हिल पर अटैक होता है तो सोशल मीडिया पुलिस कार्रवाई का समर्थन करता है। अगर भारत में लाल किले पर हमला होता है तो आप डबल स्टैंडर्ड अपनाते हैं। ये हमें साफतौर पर मंजूर नहीं है। इस मामले की शुरुआत 11 दिसंबर 2018 से हुई, जब सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा कि वह चाइल्ड पोर्नोग्राफी, रेप, गैंगरेप से जुड़े कंटेंट को डिजिटल प्लेटफॉर्म्स से हटाने के लिए जरूरी गाइडलाइन बनाए। सरकार ने 24 दिसंबर 2018 को ड्राफ्ट तैयार किया। इस पर 177 कमेंट्स आए। बहरहाल, हम कह सकते हैं कि आखिरकार सरकार ने भारतवासियों की बात सुन ली है। सरकार ने ठोस कदम उठाए हैं, हालांकि ये उतने सख्त कदम नहीं हैं, जितने होने चाहिए थे। लेकिन, सरकार ने विदेशी कंपनियों को साफ संकेत दे दिए हैं कि अगर भारत में रहना है, यहां की मलाई खानी है तो आप कानून का पालन किए बगैर आगे नहीं बढ़ सकते। कहीं न कहीं, सर्विस प्रोवाइडर भी बहुत मनमानी कर रहे थे, सरकार को ललकार रहे थे कि हम नहीं करते कानून का पालन, आप क्या कर लेंगे। अब सरकार ने एक ही झाड़ू फेरकर तमाम सर्विस प्रोवाइडर और ओटीटी प्लेटफॉर्म को अपने शिकंजे में ले लिया है। कानूनी धाराओं में इन्हें कवर कर लिया है। डिजिटल मीडिया के लिए जारी हुई नई गाइडलाइन का सबसे बड़ा फायदा उन यूजर्स को मिलने जा रहा है, जिनकी सोशल मीडिया या ह्लञ्ज के खिलाफ शिकायतें अब तक नहीं सुनी जाती थीं। सबसे ज्यादा नकेल बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों पर कसी गई है। उन्हें गाइडलाइन पर अमल के लिए तीन महीने का वक्त मिला है। हालांकि, सरकार इस सवाल का जवाब टाल गई कि गंभीर आपत्तिजनक कंटेंट के मामलों में जेल किसे होगी? यूजर को या सोशल मीडिया को? किसी भी लोकतांत्रिक समाज और देश की सबसे बड़ी खासियत्रयह होती है कि वहां वैचारिक सहमति और असहमति को अभिव्यक्त करने की आजादी एक अधिकार के रूप में स्वीकार्य हो। लेकिन कई बार देखा जाता है कि अभिव्यक्ति की निर्बाध आजादी का इस्तेमाल कुछ लोग इस तरह करने लगते हैं जिससे भावनाओं के भड़कने और यहां तक कि अराजकता फैलने की आशंका खड़ी हो जाती है। खासतौर पर जब से सोशल मीडिया के अलग-अलग मंचों का विस्तार हुआ है, उस पर अपनी राय जाहिर करने की सुविधा तक बहुत सारे लोगों की पहुंच बनी है, तब से एक बड़ी आबादी को अपनी अभिव्यक्ति की आजादी के लिए एक नया आकाश जरूर मिला है, लेकिन इसके बरक्स ऐसे तमाम लोग भी हैं, जो इन मंचों का इस्तेमाल अपनी कुत्सित मंशा को पूरा करने के लिए करने लगे हैं। ऐसी घटनाएं अक्सर दर्ज की गई हैं, जो महज एक व्यक्ति के आधे-अधूरे तथ्यों के आधार पर फैलाए गए भ्रम के चलते होती है और उसमें नाहक ही जानमाल का नुकसान हो जाता है। विडंबना यह है कि सोशल मीडिया के मंचों पर ऐसी हरकतें करने वाले लोगों की वजह से कभी झूठी धारणा तो कभी अराजकता फैल जाती है, लेकिन इसके नुकसानों की जिम्मेदारी कोई नहीं लेता है।

देश में दोबारा पांव पसार रहे कोरोना संक्रमण

देश में दोबारा कोरोना संक्रमण का का प्रकोप बढ़ रहा है, खासकर महाराष्ट्र व केरल राज्य में।महाराष्ट्र में तीन महीने बाद पहली बार शुक्रवार को कोविड-19 के 6,000 नए मामले आए जिससे महामारी की स्थिति बिगड़ने का संकेत मिलता है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी के अनुसार राज्य में संक्रमण के 6112 नए मामलों में अधिकतर अकोला, पुणे और मुंबई खंड से आए हैं। इससे पहले राज्य में 30 अक्टूबर को एक दिन में 6,000 से ज्यादा मामले आए थे और उसके बाद मामलों की संख्या घटने लगी थी.संक्रमण के नए मामलों के साथ संक्रमितों की संख्या 20,87,632 हो गई जबकि 44 और लोगों की मौत होने से मृतक संख्या 51,713 हो गई. इन 44 मौतों में 19 लोगों की मौत पिछले 48 घंटे में हुई, 10 की मौत पिछले सप्ताह हुई जबकि 15 की मौत उससे पहले हुई थी। मुंबई शहर और आसपास के इलाकों से संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले आ रहे थे. लेकिन, 12 फरवरी के बाद से अकोला, अमरावती में संक्रमण के मामलों में तेज वृद्धि हुई है अकोला खंड में 12 फरवरी को संक्रमितों की संख्या 76,207 थी जो शुक्रवार को बढ़कर 82,904 हो गई।

अकोला खंड में अकोला, अमरावती और यवतमाल जिले शामिल हैं। इससे पहले दिन में राज्य सरकार ने कहा कि ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील में पाये गये कोरोना वायरस के नये स्वरूप का कोई मामला महाराष्ट्र के अमरावती और यवतमाल जिलों में सामने नहीं आया है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पश्चिमी महाराष्ट्र के पुणे, सतारा जिले और विदर्भ क्षेत्र के अमरावती और यवतमाल जिलों में कोरोना वायरस के नये मामले बढ़ने के मद्देनजर इन इलाकों से लिये गये वायरस के नमूनों की 'जीनोम सीक्वेंसिंग' की गई। राज्य में अस्पतालों से 2159 लोगों को छुट्टी मिलने के साथ अब तक 19,89,963 लोग स्वस्थ हो चुके हैं. राज्य में 44,765 उपचाराधीन मरीज हैं। वहीं, मुंबई में दिसंबर के बाद से कोविड-19 के सबसे ज्यादा 823 मामले आए हैं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अनुसार मुंबई में संक्रमितों की संख्या 3,17,310 हो गई जबकि पांच और लोगों की मौत हो जाने से मृतक संख्या 11,435 हो गई। पिछले 24 घंटे के दौरान 440 मरीजों को छुट्टी दे दी गयी। शहर में 6577 मरीजों का उपचार चल रहा है।महानगर पालिका के अनुसार शुक्रवार को शहर में 18,366 नमूनों

की जांच की गई। अब तक कुल 30,98,894 जांच की गई है। इस समय नागपुर में स्थिति एक बार फिर खराब हो रही है। इस बीच महाराष्?ट्र के मंत्रियों और नेताओं को भी कोरोना वायरस संक्रमण हो गया है। इनमें कुछ नेता ऐसे भी हैं, जो दोबारा कोरोना वायरस की चपेट में आए हैं। महाराष्?ट्र के विदर्भ इलाके के क्षेत्रों में भी पिछले कुछ दिनों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। देश में कोरोना से बचाव का सबसे प्रमाणिक तरीका है कि टीकाकरण जल्द रफ़्तार पकडे। इस समय तक देश में कोरोना की पुष्टि 10977387 वाले पीड़ित हैं, जिनका इलाज चल रहा है उनकी संख्या 143127, इनमे से ठीक हो चुके की संख्या 10678048 है, मृत लोग156212 7 बढ़ते केसो के कारण देश में जल्द वेक्सिन लगे इसकी जरुरत है 7निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार सबसे पहले कोविड 19 वैक्सीन हेल्थकेयर कर्मियों यानी डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिक्स और स्वास्थ्य से जुड़े लोगो को दी जा रही है 7 सभी सरकारी और प्राइवेट हॉस्पिटल को मिलकर इनकी संख्या 80 लाख से एक करोड़ बताई जा रही है7 इनके बाद क़रीब दो करोड़ फ्रंटलाइन वर्कर्स यानी राज्य पुलिसकर्मियों, पैरामिलिटरी फ़ोर्सेस, फ़ौज, सैनिटाइजेशन वर्कर्स को वैक्सीन दी जाएगी7 इसके बाद नंबर लगेगा 50 वर्ष से ऊपर के लोगों का 7 भारत में पचास वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या 27 करोड़ के लगभग है। स्वास्थ्य कर्मियों व सेवा कर्मियों के बाद कोरोना वरीयता में ये बुजुर्ग लोग ही आते हैं। अभी तक केवल चिकित्सा व अन्य सेवा कर्मियों को ही कोरोना वैक्सीन लगाई जा रही है। यह कार्य पिछले महीने से ही शुरू हो चुका है। सवाल पैदा हो रहा है कि इन लोगों को वैक्सीन लगाने का तरीका क्या हो? क्या केवल सरकारी चिकित्सा कर्मी ही यह काम कर सकते हैं? भारत जैसे विशाल देश में यह संभव नहीं है। इसके साथ यह भी स्पष्ट नहीं हुआ है कि वैक्सीन का वितरण सरकारी खर्चे पर होगा अथवा इस कार्य में निजी क्षेत्र की भागीदारी भी होगी। भारत को टीकाकरण का शानदार अनुभव है। इस कार्य में सार्वजनिक व निजी क्षेत्र की भागीदारी का अनुभव भी अच्छा-खासा है। विश्व का सबसे बड़ा पोलियो टीकाकरण अभियान इसी आधार पर पूरा किया गया था। इसके अलावा अन्य टीकाकरण अभियान भी चलते रहे हैं। अतः?कोरोना वैक्सीन लगाने का अभियान भी हम इसी तर्ज पर शुरू कर सकते हैं।

बुजुर्गों का ख्याल रखना हमारा कर्तव्य

– सोनम लववंशी

किसी ने सच ही कहा है कि हम सब कुछ बदल सकते है, लेकिन अपने पूर्वज नहीं। उनके बिना न ही हमारा वर्तमान सुरक्षित है और ना ही भविष्य की नींव रखी जा सकती है। हमारे पूर्वज ही इतिहास से भविष्य के बीच की की होते है। इन सबके बावजूद असोस की आज हम अपने पूर्वजों का सम्मान तक नहीं कर पा रहे है और न ही उनकी दी हुई सीख पर अमल कर पा रहे हैं। मातृ देवों भव:, पितृ देवों भव: से अपने जीवन का आरम्भ करने वाला मनुष्य इतना स्वार्थी हो जाएगा कि वह अपने पहले गुरु यानी मां और पिता को ही वृद्धावस्था में दरकिनार कर देगा। इसकी कल्पना तो किसी माँ बाप ने नहीं की होगी। चलिए अब बीते दिनों मध्यप्रदेश की औद्योगिक नगरी इंदौर में घटित एक घटना का जिक्र करते हैं। जिसने पूरी मानव जाति को शर्मसार कर दिया। इंदौर नगर निगम स्वच्छता में नम्बर वन बने रहने की चाहत में इतना नीचे गिर गया कि वह अपने ही शहर के बुजुर्गों को जानवरों की तरह ट्रक में भरकर शहर के बाहर फेंक दिया। ऐसे में समझ नहीं आता कि कहां गई वह संस्कृति जिसमें हमें बो का सम्मान करने की शिक्षा दी जाती है। भारतीय परंपरा में तो पे-पौधे, पशु-पक्षी, जानवरों

यहां तक की पत्थरों की भी पूजा करने का विधान बताया गया है। फिर आज हमारे समाज ने अपने ही बुजुर्गों को दर दर की ठोकर खाने के लिए कैसे छो दिया है। यहां चंद पंक्तियां याद आ रही है। जो रामधारी सिंह दिनकर की कृति कुरुक्षेत्र से ली गई है। जिसमें युधिष्ठिर भीष्म पितामह के पास जाते हैं है। रि भीष्म पितामह कहते हैं कि धर्मराज यह भूमि किसी की, नहीं क्रीत है दासी, हैं जन्मना समान परस्पर, इसके सभी निवासी। सबको मुक्त प्रकाश चाहिए, सबको मुक्त समीकरण, बाधारहित विकास, मुक्त आशंकाओं से जीवन।

अब ऐसे में अगर इस धरती पर जन्म लेने वाले सभी व्यक्ति के पास समान अधिकार है। रि कोई सरकार या सरकारी मुलाजिम कैसे किसी को र्सि इसलिए भगा सकता क्योंकि वह बुजुर्ग और भिखारी है। क्या हम र्सि बातों में ही संस्कृति के खेवनहार बचें हैं। एक तर तो समाज मे बच्चें बे होकर अपने माता-पिता को दर-दर भटकने के लिए छो देते। ऊपर से अगर शासन-प्रशासन भी निर्लज्जता पर उतारू हो गया। रि कहाँ जाएंगे बुजुर्ग लोग। वैसे हम तो वसुधैव कुटुम्बकम की भावना रखने वाले देश के लोग हैं। रि आधुनिकता की दौ में इतना अंधे कैसे हो रहें कि अपने संस्कारों को ही तिलांजलि देने पर तुले हैं। क्या यही आधुनिकता है, जिसमें अपनों का सम्मान करना ही भूल जाए हम तो विश्वगुरु बनने की राह में आगे ब रहे है फिर कैसे अपने जीवन के प्रथम गुरु के साथ बदसलूकी पर उतर आए ये सच है कि भागदौ भरी दिंगी में हम अपने लिए ही समय नही निकाल पाते है, तो फिर अपनों की जिम्मेदारियों का ख्याल कैसे रखें लेकिन जिस मां-बाप ने जन्म दिया उसकी जिम्मेदारी से मुंह तो मो नहीं सकते। हम यह क्यों भूल जाते है कि जिस माँ ने अपनी जिंदगी का सबसे बा दर्द सहन कर हमें इस दुनिया में जन्म दिया है। जिस पिता ने हमें उंगली पककर चलना सीखाया। जिसने हमे इस लायक बनाया की हम सही गलत का फर्क समझ सके। रि जिस वक्त उन्हें हमारे सहारे की रूरत रि हम कैसे मुकर सकते एजेबल नामक एक गैर सरकारी संगठन के सर्वे में यह बात सामने आई है कि देश में हर चौथा बुजुर्ग आदमी अकेले रहने को मजबूर है।2018 में किए गए सर्वेक्षण की माने तो देश के 60 वर्ष से अधिक आयु वाले 52 प्रतिशत बुजुर्ग पारिवारिक उत्पीन का शिकार हो रहे है। 63 फीसदी बुजुर्ग स्वयं इस बात को मानते है कि उनका अपना ही परिवार उन्हें बोझ मानता है।

चिंतन मंथन

सत्य की खोज अनंत

सत्य का अर्थ होता है, अनंत। सत्य की खोज का कोई अंत नहीं होता। यात्रा शुरू तो होती है, पर पूरी नहीं होती। पूरी हो ही नहीं सकती। क्योंकि अगर पूरी हो जाए यात्रा तो उसका अर्थ होगा कि सत्य भी सीमित है। तुम आ गए आखिरी सीमा पर, फिर उसके पार क्या होगा? नहीं, सत्य असीम है। यही तो हमने बार-बार अनेक-अनेक ढंग से कहा है कि परमात्मा अनंत है, असीम है, अपार है, उसका विस्तार है, विराट है। जैसे तुम सागर में उतर गये, यह तो सच है लेकिन तुमने पूरे सागर को थोड़े ही पा लिया। तुम जितना पार करते जाओ, उतना ही सागर शेष है। फिर सागर तो शायद चुक भी जाए। कोई तैरता ही रहे, तैरता ही रहे, तो दूसरा किनारा आ भी जाएगा पर परमात्मा का कोई किनारा ही नहीं है। इसीलिए इसे असीम कहते हैं। सत्य असीम है, अनंत है, इसलिए सत्य की खोज का कोई अंत नहीं होता। अमेरिका का एक बहुत बड़ा मनीषी हुआ-जान डैबी। वह कहा करता था, जीवन रुचि का नाम है। जिस दिन वह गयी कि जीवन भी चला गया। सत्य की खोज में रुचि है। सत्य में उतना सवाल नहीं है, जितना खोज में है। मजा मंजिल का नहीं है, यात्रा का है। मजा मिलन का कम, इंतजारी का ज्यादा है। जान डैबी से उसकी नब्बेवीं वषगांठ पर बातचीत करते समय एक डाक्टर मित्र ने कहा, फिलासफी, दर्शन में रखा क्या है! डैबी ने शांतिपूर्वक कहा, दर्शन का लाभ है कि उसके अध्ययन के बाद पहाड़ों पर चढ़ाई संभव हो जाती है। डाक्टर ने कहा, मान लिया कि दर्शन का यही लाभ है कि पहाड़ों पर चढ़ाई संभव हो जाती है लेकिन एक पर चढ़ने के बाद दूसरा ऐसा ही पहाड़ दिखना आरंभ हो जाता है, जिस पर चढ़ना कठिन प्रतीत होता है। उसके पार होने पर तीसरा फिर चौथा। जब तक यह प्रम और चुनौती है, तब तक जीवन है। जिस दिन चढ़ने को शेष नहीं, आकषर्ण, चुनौती नहीं, उसी दिन मृत्यु घट जाएगी और मृत्यु नहीं है, जीवन ही है। तुम पहाड़ चढ़ते हो, इसी आशा में कि उसके पार कुछ नहीं है, पर पाते हो कि दूसरा पहाड़ प्रतीक्षा कर रहा है। इससे भी बड़ा, इससे भी विराट, इससे भी ज्यादा स्वर्णमयी। फिर तुम्हारे भीतर चुनौती उठी। तुम फिर चले। शिखर पर पहुंचते ही आगे का दिखायी पड़ता है, उसके पहले दिखायी नही पड़ता। ऐसे ही सत्य की खोज अनंत है। ऐसी यात्रा जो कभी समाप्त नहीं होती। यह शुभ भी है। समाप्त हो जाए तो जीवन समाप्त हो गया।

दिमाग को स्वस्थ रखना जरूर

पुष्पांजली टुडे

दुनिया में हर चार में से एक व्यक्ति को ब्रेन स्ट्रोक का खतरा रहता है, यानी हर चौथा व्यक्ति ब्रेन स्ट्रोक के खतरे के दायरे में है। ब्रेन स्ट्रोक यानी ब्रेन अटैक के शिकार होने वाले 20ल लोग 40 वर्ष से कम उम्र के होते हैं। दुनिया में ब्रेन स्ट्रोक मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। मौत का पहला सबसे बड़ा कारण दिल की बीमारी है। भारत में हर वर्ष 18 हजार लोग ब्रेन स्ट्रोक का शिकार हो जाते हैं। 29 अक्टूबर %वर्ल्ड स्ट्रोक डे% के रूप में मनाया जाता है। स्ट्रोक का मतलब है लकवा मारना, इसे पक्षाघात भी कहते हैं। स्ट्रोक तब होता है जब मस्तिष्क की कोई नस फट जाती है और खून बह जाता है या खून का थक्का जम जाता है या जब मस्तिष्क तक रक्त पहुंचने में रुकावट होती है, इस स्थिति में ब्रेन टिशू में ऑक्सीजन और रक्त पहुंच नहीं पाता। ऑक्सीजन के बिना ब्रेन सेल्स और टिशू यानी मस्तिष्क की कोशिकाएं और ऊतक क्षतिग्रस्त हो जाते हैं और जल्दी ही खत्म होने लगते हैं। ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ाने वाली पहली वजह है कोरोना वायरस का संक्रमण, दूसरी वजह है लाइफ स्टाइल और तीसरी वजह है गर्दन की मसाज, डॉक्टर इस समस्या को बार्बर चेयर स्ट्रोक या ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक कहते हैं। कोरोना वायरस से रिकवर होने के बाद बहुत सारे मरीज दिमाग के सुस्त पड़ने की शिकायत कर रहे हैं।

कई लोगों को फोकस न कर पाने और चीजों को ठीक से न समझ पाने की समस्या हो रही है, इस समस्या को ब्रेन फॉग का नाम दिया गया है। हालांकि डॉक्टर अभी तक यह तय नहीं कर पाए हैं कि कोरोना के संक्रमण से रिकवर हुए मरीजों में यह लक्षण कितने दिनों तक रहेंगे, लेकिन यह जरूर समझा जा सकता है की ऐसा क्यों हो रहा है। कोरोना वायरस के शिकार मरीजों में ब्लड क्लॉट यानी खून के जमने की समस्या हो सकती है। इसके अलावा कोरोना वायरस के मरीजों को आइसोलेशन यानी अकेले में रहना पड़ता है और एक ऐसी बीमारी से जूझना पड़ता है जिसका इलाज अभी बहुत कठिन है, यह अनिश्चितता भी दिमाग पर बुरा असर डालती है और दिमाग ठीक से काम नहीं कर पाता। कोरोना संक्रमण के दौरान दिमाग बहुत कमजोर हो जाता है। ब्रेन स्ट्रोक की दूसरी वजह है खराब लाइफ़स्टाइल। खराब लाइफस्टाइल की लिस्ट में मोबाइल को पहले नंबर पर रखा जाना चाहिए। अमेरिका की नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की एक रिपोर्ट के मुताबिक 50 मिनट से ज्यादा मोबाइल फोन का इस्तेमाल ब्रेन एक्टिविटी को तेज कर सकता है। मोबाइल दिमाग की शांति को भंग करके उसे एंग्जाइटी यानी तनाव देने का काम करता है। इसके अलावा धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों में, जंक फूड अधिक खाने वालों में, डायबिटीज वाले लोगों में, जिनका ब्लड प्रेशर हाई हो और व्यायाम न करने वाले लोगों में ब्रेन स्ट्रोक का खतरा ज्यादा होता है। ब्रेन स्ट्रोक होने की तीसरी वजह है गर्दन की गलत तरीके से की गई मालिश। यदि गर्दन की मसाज गलत तरीके से की जाए तो सीधे अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आ सकती है। दिमाग जितना

सेहतमंद होगा शरीर भी उतना ही स्वस्थ रहेगा, क्योंकि दिमाग के द्वारा ही पूरे शरीर को नियंत्रित (कंट्रोल) किया जाता है। डॉक्टरों की सलाह के अनुसार गर्दन की मसाज से बचना चाहिए, जरूरत हो तो हल्की मालिश करानी चाहिए बहुत जोर से नहीं। ब्रेन स्ट्रोक को पहचानने के दो फार्मूले हैं। एक फार्मूला जिसे डॉक्टर बी ई एफ ए एस टी (बी फास्ट) का नाम देते हैं। बी का मतलब है बैलेंस यानी अगर व्यक्ति शरीर से बैलेंस खो देता है, ई का मतलब है आइज यानी अगर व्यक्ति को एक या दोनों आंखों से दिखना बंद हो जाए, एफ का मतलब है फेस यानी अगर चेहरे की मांसपेशियां कमजोर पड़ रही हैं, ए का अर्थ है आर्म यानी अगर बाजुओं में कमजोरी महसूस हो रही है, एस का मतलब है स्पीच यानी अगर जुबान लड़खड़ाने लगे, और टी का मतलब है टाइम यानी तब मरीज को जल्द से जल्द डॉक्टर के पास दिखाने के लिए जाना चाहिए, क्योंकि ये ब्रेन स्ट्रोक के लक्षण हो सकते हैं। दूसरा फार्मूला है एस टी आर फार्मूला। एस का मतलब है स्माइल यानी बेहोशी से उठे व्यक्ति को स्माइल करने के लिए कहें,टी का मतलब है टॉक यानी व्यक्ति से कुछ आसान वाक्य बोलने के लिए कहें, आर का मतलब है रेज यानी व्यक्ति से दोनों हाथ ऊपर उठाने के लिए कहें। ये तीनों बातें बहुत ही महत्वपूर्ण हैं और अगर इन तीनों चीजों को करने में व्यक्ति को तकलीफ हो रही है तो तुरंत उसे डॉक्टर के पास ले जाएं। पजल सॉल्व करने और शतरंज जैसे खेल खेलने से दिमाग हमेशा एक्टिव (सक्रिय) रहता है, ऐसे खेल दिमागी कसरत का काम करते हैं। व्यायाम यानी एक्सरसाइज तन और मन दोनों को फिट रखती है। यदि 35 से 40 वर्ष की उम्र तक कोई व्यायाम ना किया हो तो वॉकिंग यानी सैर करने से व्यायाम की शुरुआत की जा सकती है। सप्ताह में 5 दिन 30 मिनट की वॉक जरूर करें। अगर युवा हैं तो अपनी पसंद और फिटनेस लेवल के हिसाब से जिम, स्विमिंग, रनिंग, साइकिलिंग या किसी भी खेलकूद को व्यायाम के रूप में चुन सकते हैं पर्याप्त मात्रा में पानी जरूर पीना चाहिए, ये दिमाग को तरोताजा रखने में मदद करता है। यदि हाई ब्लडप्रेशर हो तो नियमित दवाई लेते रहना चाहिए, क्योंकि बीच-बीच में दवा छोड़ने पर भी ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है। डायबिटीज़ के रोगियों को भी अपना शुगर लेवल हमेशा काबू में रखना चाहिए क्योंकि शुगर लेवल में बहुत ज्यादा बदलाव दिमाग की सेहत के लिए खतरनाक होता है। सदैव ताजा एवं स्वास्थ्यप्रद भोजन करना चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि सदैव खुश रहें। छोटी-छोटी खुशियां स्वास्थ्य का बड़ा खजाना खोल सकती हैं, जबकि चिंता चिता तक पहुंचाने का काम कर सकती है।

विचार मंथन

जाहे विधि राखे राम ताहि विधि रहिये

पिछले दिनों किसान आंदोलन के बीच पंजाब में स्थानीय निकायों के चुनाव संपन्न हुए। इसमें कांग्रेस पार्टी की अकाल्पनिक विजय इतनी महत्वपूर्ण नहीं थी जितनी कि भारतीय जनता पार्टी की फ़ज़ीहत के साथ बुरी तरह हुई पराजय। फ़ज़ीहत इसलिए कि कई शहरों के विभिन्न वार्ड ऐसे थे जहां भाजपा को चुनाव लड़ने हेतु उम्मीदवार भी नसीब नहीं हुआ जबकि भाजपा के अधिकांश प्रत्याशी ऐसे थे जिन्हें चुनाव प्रचार के दौरान जनता के भारी रोष व विरोध का सामना करना पड़ा। सातों नगर निगमों में कांग्रेस को जीत हासिल हुई जबकि कई वार्डस में भाजपा प्रत्याशी अपना खाता भी नहीं खोल सके। नतीजतन लगभग पूरे राज्य से भाजपा का सूपड़ा साफ़ हो गया। हालांकि इन परिणामों को किसान आंदोलन से जोड़कर ज़रूर देखा जा रहा है परन्तु दरअसल यह शहरी चुनाव थे इसलिए इन्हें पूरी तरह किसान आंदोलन के रंग में रंगा चुनाव भी नहीं कहा जा सकता। हाँ इसे किसान आंदोलन के प्रति सरकार द्वारा अपनाये जा रहे ग़ैर ज़िम्मेदाराना रवैय्ये का परिणाम ज़रूर कहा जा सकता है। पिछले दिनों संसद में जिस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोल रहे थे उस समय देश को विशेषकर किसानों को यह उम्मीद थी कि शायद प्रधानमंत्री के संबोधन में किसानों को अपनी समस्याओं से संबंधित कुछ सकारात्मक बातें सुनाई दें और सरकार व किसानों के बीच चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो। परन्तु नतीजा बिल्कुल उल्टा रहा। प्रधानमंत्री ने संसद में न सिर्फ़ आंदोलनकारियों व आंदोलनकारी नेताओं को %आन्दोलनजीवी% व %परजीवी% जैसे अपमान जनक शब्दों से संबोधित किया बल्कि संसद में भी प्रधानमंत्री की चिंताएं टोल प्लाज़ा पर किसानों के धरने तथा पंजाब में कई जगह जिओ के मोबाईल टावर क्षति ग्रस्त करने को लेकर ज़रूर सुनी गईं। परन्तु साथ साथ सरकार यह बताने से भी हरगिज़ नहीं चूकती कि वह किसानों के हितों के लिए पूरी तरह समर्पित है। अन्नदाताओं व सरकार के बीच चल रही इस कशमकश तथा पंजाब के चुनाव परिणामों से इतर देश का %घुटना टेक मीडिया% लोगों को आसाम व बंगाल के प्रधान मंत्री व गृह मंत्री से जुड़े समाचारों को दिखाता रहा। कुछ ही मीडिया चैनल ऐसे थे जिन्होंने पंजाब निकाय चुनाव के परिणामों व उनके कारणों पर कार्यक्रम पेश किये। बहरहाल,एक तरफ़ किसानों के आंदोलन की धार दिन प्रतिदिन और तेज़ होती जा रही है तो दूसरी ओर सरकार इससे सबक़ लेने के बजाय डीज़ल,पेट्रोल व रसोई गैस के दामों में लगातार इज़ाफ़ा करती जा रही है। एक अनुमान के अनुसार 2014 में सत्ता में आने से लेकर अब तक केवल पेट्रोल डीज़ल पर टैक्स लगाकर जनता से 21 लाख पचास हज़ार करोड़ रूपये की भारी रक़म वसूल कर चुकी है। गत 12 दिनों से तो लगभग प्रतिदिन पेट्रोल डीज़ल के मूल्यों में वृद्धि का सिलसिला जारी है।

कार्यालय में राजनीति का क्या काम?

आपको याद होगा कि जब आपने नौकरी शुरू की थी, तब आपको ऐसा महसूस हुआ था कि यह मेरा ड्रीम प्लेस है और आपकी ऐसी ही कार्यालय में काम करने की ख्वाहिश थी। यहां सहकर्मी भी अच्छे हैं और बॉस का भी स्वभाव भी बहुत अच्छा है। आप अपने सहकर्मियों से किसी भी समस्या के संदर्भ में बात कर सकती हैं। धीरे-धीरे वक्त बीतता गया और कुछ साल बाद आपने यह बात दर्ज करनी शुरू की कि शुरुआती दौर में आपके कार्यस्थल का जो माहौल आपको अच्छा लगता था, अब वहां पर वैसा माहौल नहीं रह गया है। बहुत से लोग दफ्तर में राजनीति करने लगे हैं। कोई किसी की बुराई कर रहा है तो कोई किसी की टांग खिंचाई कर रहा है। लोग आपस में गुटबंदी भी कर रहे हैं। हालांकि कुछ बातों को ध्यान में रखकर आप कार्यस्थल की राजनीति से स्वयं को काफी हद तक दूर रख सकती हैं।

ईमानदारी से काम करना

कार्यस्थल में अपने काम से काम रखें। अपने कार्य को ईमानदारी, एकाग्रता और लगन के साथ पूरा करें। अपने कार्य से संबंधित नई-नई बातों को भी जानने की कोशिश करें। ऐसा करने से आपका ध्यान कार्यस्थल में होने वाली गपशप व राजनीति की ओर नहीं जाएगा। साथ ही अपने काम में आप और पारंगत होंगी।

स्पष्ट विचार

यदि किसी सहकर्मी की कोई बात आपको उचित नहीं लग रही है तो उससे स्पष्ट तौर पर और शालीनता के साथ अपनी असहमति जता सकती हैं। यदि आप इस पर अमल करती हैं तो कोई भी सहकर्मी आपसे इधर-उधर की बातें करने की हिम्मत नहीं जुटा पाएगा।

सीनियर को पसंद नहीं

कोई भी सीनियर यह नहीं चाहता कि कार्यस्थल में लोग राजनीति करें। सीनियर्स आपकी कार्यक्षमता से मिलने वाले नतीजे चाहते है। इसलिए अपने काम पर ध्यान दें। यदि कोई सहकर्मी आपके पास बैठकर आपसे ऑफिस राजनीति की चर्चा करने की कोशिश करे तो उसे शालीनतापूर्वक मना कर दें कि पहले मैं अपना काम पूरा कर लूं। फिर आपसे बात करूंगी।

आलोचना से दूर

कार्यस्थल में लोग थोड़ी बहुत आलोचना या इधर-उधर की बातें तो करेंगे ही। बेहतर यही होगा कि जहां तक संभव हो आप ऐसे लोगों से दूर ही रहें। यदि बातचीत केदौरान आप यह महसूस करती हैं कि लोग किसी सहकर्मी की कुछ ज्यादा ही आलोचना कर रहे हैं तो उनकी हां में हां न मिलाएं। यदि संभव हो तो वहां से उठकर चली जाएं। कारण, जिस दिन आप उनके साथ नहीं होंगी, उस दिन वे अन्य लोगों से आपकी भी आलोचना करेंगे। इसलिए जब भी कोई किसी की आलोचना करे तो ऐसे लोगों से दूर ही रहें।

तारीफ तो बनती है

कुछ लोग शब्दों या व्यवहार के मामले में इतने मितव्ययी होते हैं कि दूसरे के अच्छे कार्यों की तारीफ खुलकर नहीं कर पाते, जबकि कुछ इतनी तारीफ करते हैं कि सामने वाला शर्मिंदा हो जाए। कुछ ऐसे भी होते हैं, जिन्हें किसी बात से फर्क नहीं पड़ता। वे कभी किसी की तारीफ नहीं करते। कई बार बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि बच्चों की ज्यादा तारीफ नहीं करनी चाहिए, इससे वे बिगड़ सकते हैं। दूसरी ओर मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि तारीफ बच्चे का मनोबल बढ़ाती है।

क्यों जरूरी है प्रशंसा

प्रोत्साहन की जरूरत बच्चों को ही नहीं, बड़ों को भी होती है। घर से लेकर स्कूल-कॉलेज, सार्वजनिक स्थलों और कार्यस्थल तक इसकी आवश्यकता पड़ती है। शिक्षक की जरा सी तारीफ से बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ सकता है तो पैरेंट्स का प्रोत्साहन उसे बेहतर भविष्य की ओर बढने् को प्रेरित करता है। सराहना के चंद लफ्ज रिश्तों को खुशगवार बना सकते हैं। मां, तुम्हारे हाथों में तो कमाल है! बच्चे की छोटी सी तारीफ मां की डिक्शनरी का सबसे खुबसूरत वाक्य बन सकती है। इसी तरह कार्यस्थल में अच्छे कार्य की तारीफ कर्मचारी को बेहतर काम करने को प्रेरित करती है। लोग बाहर खाना खाते हैं तो बैरे को टिप देते हैं। टिप उसकी सेवाओं की तारीफ ही है। घर में खाने के बदले टिप नहीं दिया जाता, मगर सराहना में बोले गए शब्द खाना बनाने वाले को अहसास दिलाते हैं कि उसकी मेहनत को सम्मान मिल रहा है। सफाई कर्मचारी, घरेलू हेल्पर, कुक, गार्ड, ड्राइवर... ऐसे बहुत से लोग हैं, जिनकी सेवाओं के बिना जिंदगी सहज नहीं हो सकती।

इतनी कंजूसी अच्छी नहीं

तारीफ सबको अच्छी लगती है। यह तनाव से मुक्ति भी दिलाती है। व्यक्ति को जीवन में आगे बढने् के लिए सकारात्मक प्रोत्साहन की जरूरत पड़ती है। मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि तारीफ से किसी का जीवन बदल सकता है और तारीफ करने वाला भी सुखद अहसास से भर उठता है। ईमानदार प्रशंसा दूसरे की योग्यता व क्षमता में इजाफा करती है... तो फिर तारीफ में कंजूसी क्यों बरती जाए।

तारीफ करें कुछ ऐसे

शोध बताते हैं कि व्यक्ति की नहीं, उसके प्रयासों, मेहनत एवं काम की तारीफ की जानी चाहिए। जैसे, तुमने इस प्रोजेक्ट में बहुत मेहनत की है, तुम्हारी मेहनत रंग लाई है जैसे वाक्यों में यह संदेश छिपा है कि सफलता मेहनत व प्रयास से ही मिलती है। इसे वैज्ञानिक भाषा में प्रक्रिया की प्रशंसा (प्रोसेस प्रेज) कहा जा सकता है। दूसरी ओर तुम बहुत स्मार्ट हो, तुम इस काम को बेहतर कर सकते हो जैसे वाक्यों का अर्थ है कि सफलता एक निश्चित गुण के कारण मिलती है। इसे व्यक्ति की प्रशंसा (पर्सन प्रेज) कहा जा सकता है। शिकागो यूनिवर्सिटी और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में पांच वर्ष तक बच्चों की इन दो तरीकों से की गई तारीफ के कई दिलचस्प नतीजे निकले। ऐसे बच्चे, जिनके माता-पिता या टीचर्स ने उनके काम या प्रयास की तारीफ की, दूसरे बच्चों के मुकाबले चुनौतीपूर्ण काम हाथ में लेना पसंद करते थे, विफलता से जल्दी उबरते थे, क्योंकि इससे उन्हें सीखने को मिलता था। वे मेहनत से उपजी योग्यता पर भरोसा करते थे। प्रशंसा व्यक्ति के कार्य का सम्मान और पुरस्कार है। तारीफ करें, क्योंकि सराहना के थोड़े से शब्द किसी को आत्मिक खुशी प्रदान कर सकते हैं तो किसी की जिंदगी भी बदल सकते हैं।

मन का बल जीत का संबल

वे पहाड़ों पर हौंसले से चढ़ती हैं। खेलों में नंबर वन बन जाती हैं। सीमा पर दुश्मनों को जवाब देने की रणनीति बनाती हैं। बोर्ड रूम में बैठकर कंपनी की पॉलिसीज डिस्कस करती हैं। साथ ही घर की मुश्किलों को भी हल कर लेती हैं। बच्चों की गाइड बनती हैं तो पति की साथी। इतना कुछ अपनी मानसिक ताकत के बल पर ही तो कर पाती हैं वे। इनकी मेंटल स्ट्रेंथ ही इन्हें हर मौके पर दिलाती है जीत... हम कमजोर नहीं हैं। जब हमारी फिजिकल स्ट्रेंथ जवाब देने लगती है तो हम जीतते हैं अपनी मेंटल स्ट्रेंथ से। समाज हमारी शारीरिक स्ट्रेंथ को ही देखता है। हमें शारीरिक रूप से कमजोर समझता है, लेकिन हमारी मानसिक ताकत हर चुनौती का सामना कर सकती है और जब हमारी फिजिकल स्ट्रेंथ और मेंटल स्ट्रेंथ मिल जाती है तो कौन सा ऐसा रास्ता है जिस पर हम आगे नहीं जा सकतीं। एयरफोर्स की स्क्वाड्रन लीडर तूलिका रानी को नाज है महिलाओं की मेंटल स्ट्रेंथ पर। एयरफोर्स की ऑफिसर के रूप में अच्छी प्रशासक तो हैं ही तूलिका, अपने शौक और जुनून के चलते वह एवरेस्ट भी फतह कर चुकी हैं। सिर्फ तूलिका ही नहीं हर महिला अपनी मानसिक मजबूती की वजह से जब-तब एक मिसाल कायम कर देती है। सशस्त्र बलों से लेकर स्पोर्ट्स, एडवेंचर तक कोई भी फील्ड ले लें या होममेकर की भूमिका देख लें, हर जगह ये अपनी मेंटल स्ट्रेंथ के बल पर जीत हासिल करती हैं और अपने जज्बे का लोहा मनवाती हैं।

खुद बनाती हैं अपनी राह

फिल्म रेस टू के गाने लत लग गई और फिल्म ये जवानी है दीवानी के हिट सॉन्ग बलम पिचकारी में अपनी आवाज की बदौलत प्लेबैक सिंगिंग में जगह बनाने वाली युवा गायिका शालमली खोलगड़े भी अपनी मानसिक ताकत के बल पर मुकाम हासिल करने की बात कहते हुए कहती हैं, महिलाओं की मेंटल स्ट्रेंथ तो सदियों से है। औरत हमेशा से मजबूत रही है। लड़कियों में जो पावर है उसकी वजह से दुनिया में कई चीजें चलती हैं। हम महिलाएं अगर किसी मुकाम पर पहुंच पाती हैं तो सिर्फ और सिर्फ अपनी मानसिक मजबूती से।

कमजोर मानना महज मिथ

महिलाएं प्रैक्टिकल थिंकर होती हैं। वे जन्म से ही मेंटली स्ट्रांग और मल्टीटॉस्कर होती हैं। जब घर में होती हैं तब भी चार काम साथ कर रही होती हैं और सोच भी रही होती हैं। जब बाहर होती हैं तो भी उनका दिमाग दो-तीन स्तरों पर चल रहा होता है। वे कामों को एक्जीक्यूट भी कर रही होती हैं और प्लान भी। ऐसी मल्टीटॉस्किंग तभी संभव है, जब वे मानसिक तौर पर मजबूत हों। महिलाओं की स्ट्रेंथ को परिभाषित करती कात्यायनी को लगता है कि महिलाएं मेंटल लेवल पर तो सशक्त हैं ही, वे फिजिकली भी किसी से कम नहीं है। वह कहती हैं, यह एक मिथ है कि हम शारीरिक रूप से कमजोर हैं।

करें रिश्तों की साफ-सफाई

अगर झाड़-पोंछ न की जाए तो घर के कोने-कोने में धूल जम जाती है। ठीक इसी तरह हमारे रिश्ते-नातों पर अनजाने में सिलवटें पड़ जाती हैं। वक्त के साथ उन पर धूल की परतें भी जम जाती हैं। वजह कुछ भी हो सकती है। समय-समय पर यदि हम अपने रिश्तों पर जमी धूल साफ करते रहें तो प्यार और मिठास बनी रहती है। दीपाली व्हाट्स एप और फेसबुक पर दोस्तों से चैटिंग कर रही हैं। साथ ही साथ अपने फोटोग्राफ्स भी अपलोड कर रही हैं। वह दूसरों की फोटोज लाइक कर रही हैं और उनके विचारों पर अपने कमेंट भी दे रही हैं। अगर उन्हें किसी सेमिनार में रिश्ते-प्यार टॉपिक पर अपनी राय देने को कहा जाए तो शर्तिया वे सबसे अव्वल साबित होंगी, पर पार्टी, गैदरिंग, नाते-रिश्तेदारों के साथ महंगे गिफ्ट्स का आदान-प्रदान, सोशल साइट्स पर गर्मजोशी से मुबारकबाद के वर्चुअल लेन-देन के बावजूद आज उन्हें कुछ खालीपन का अहसास हो रहा है। उन्होंने अपने मन को टटोला। उन्हें लगा कि पिछले काफी दिनों से उन्होंने पति के साथ बैठकर अपनत्व भरी दो-चार बातें भी नहीं की हैं। बच्चे भी अपनी-अपनी दुनिया में मस्त हैं। परिवार के सभी सदस्य एक-दूसरे से प्यार तो करते हैं, लेकिन सभी अपने-आप में सिकुड़े हुए हैं। व्हाट्स एप पर वे लोग एक-दूसरे का हाल-चाल तो जान जाते हैं, लेकिन आमने-सामने बैठकर एक-दूसरे से बातचीत करने के लिए शायद किसी के पास न तो वक्त है और न चाहत। कोई भी सदस्य जान-बूझकर एक-दूसरे की उपेक्षा नहीं करता है, लेकिन रिश्तों में गर्माहट भी नहीं है। यह कहां खो गई है? आमने-सामने का संवाद ऑफिस गोअर नीता की फेसबुक फ्रेंड हैं भावना। उनसे सोशल साइट्स पर घर-परिवार, ऑफिस संबंधी बातों पर रोजाना लंबी चैटिंग होती रहती है। एक दिन जब वे दोनों ऑफिस के गलियारे में मिलीं, आपस में हाय-हलो के अलावा ज्यादा कुछ बातचीत नहीं हुई। कई बार हम ऑफिस के लोगों से सोशल साइट्स पर खूब बात करते हैं, लेकिन मिलने पर अनजाने व्यक्ति की तरह एक-दूसरे को अनदेखा कर देते हैं। कहानीकार अनीता शर्मा कहती हैं, 'सोशल नेटवर्किंग साइट्स और ईमेल ने शुभकामना संदेश भेजना काफी सुलभ कर दिया है, लेकिन वर्चुअल की बजाय आमने-सामने कम्युनिकेशन बेहद जरूरी है। ऑनलाइन गिफ्ट भेजना काफी मैकेनिकल लगता है। अगर आप अपने हाथों से दोस्तों-रिश्तेदारों को छोटा-मोटा उपहार भी देंगे तो उनके मन पर आपकी छाप अमिट होगी। आपके दिए सामान का जब वह व्यक्ति उपयोग करेगा तो एकबारगी आपका नाम जरूर लेगा।' आमने-सामने की खुशनुमा बातचीत से रिश्तों में गर्मजोशी बनी रहती है। कुछ बरस पहले तक हम नए साल, जन्मदिन या तीज-त्योहारों के अवसर पर कार्ड खरीदकर लोगों को भेजा करते थे। सहेजे गए कार्डों पर गाहे-बगाहे जब हमारी नजर जाती थी तो भेजने वाले व्यक्ति के साथ बिताए पलों की याद हमें बरबस आ जाती थी और हम भाव-विह्वल हो जाते थे। अब तो हम इन अवसरों पर ई कार्ड भेजकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेते हैं। इससे कर्तव्य तो पूरे हो जाते हैं, लेकिन भूले-बिसरे मित्रों से किसी खास अवसर पर मिलकर रिश्तों की बैटरी रीचार्ज की जा सकती है।

परंपराओं की खुशबू

अमित मुंबई में एक इलेक्ट्रॉनिक चैनल में काम करते हैं। उन पर ऑफिस का वर्क प्रेशर बहुत अधिक है। इसलिए पिछले दो वर्षों से वह अपने बूढ़े माता-पिता से मिलने गांव नहीं जा पाए हैं। जबकि माता-पिता लंबी छुट्टियों खासकर गर्मी की छुट्टी या किसी खास तीज-त्योहार के अवसर पर टकटकी लगाकर बेटे-बहू का इंतजार करते रहते हैं। हालांकि फोन पर उन लोगों की बात हो जाती है। सोशल साइट्स पर उनके पिता सक्रिय हैं, इसलिए अमित और उनके परिवार की फोटो वे दोनों देख लेते हैं। अमित कई बार उन दोनों को ऑनलाइन गिफ्ट भी भेज चुके हैं। डॉक्टरों से यदि उन दोनों का रूटीन चेकअप कराना है तो फोन पर डॉक्टर से मिलने की टाइमिंग भी फिक्स कर लेते हैं, लेकिन खुद उनसे मिलने की फुर्सत उनके पास नहीं है। इस संदर्भ में समाज विज्ञानी सुहानी शेखर कहती हैं कि आज के युवाओं के मन में मां-पिता के प्रति पूरा आदर-भाव है। तकनीक और महंगे उपहारों के सहारे वे उनके सामने यदा-कदा अपना भाव प्रकट भी करते हैं, लेकिन ज्यादातर माता-पिता को इन चीजों की दरकार नहीं होती है। वे चाहते हैं कि उनके बच्चे किसी खास अवसर पर घर आएं, उनसे मिलकर बोलें-बतियाएं। रिटायर्ड प्रोफेसर रामसागर सिंह कहते हैं, 'पहले त्योहारों के अवसर पर नाते-रिश्तेदार जुटते थे। एक-दूसरे सेमिलना-मिलाना होता था। लोकगीत गाए जाते थे। गीत से बड़े-बुजुर्गों के आशीष के साथ रिश्तों में मिठास भी बनी रहती थी, पर अब यह सब खत्म हो गया है।' यह सच है कि तरक्की ने हमारे लिए समृद्धि के संसार खोले, लेकिन इस फेर में हमने पुरानी सुखद परंपराओं का त्याग कर दिया, जिसे उचित नहीं कहा जा सकता है।

फैमिलीज बदल रही हैं...

व्यर्थ के तनावों से बचने के लिए न्यूएज कपल्स ने रिश्तों को बचाने की पहल कर दी है। थोडा तुम बढ़ो, थोड़ा हम की तर्ज पर बेटा-बहू और माता-पिता आगे बढ़ रहे हैं। नए जमाने का यह संयुक्त परिवार खुशहाल है। एक सिस्टम के तहत सभी सदस्यों ने परिवार को जोड़कर रखा है। इनको देखकर लगता है फैमिलीज बदल रही हैं, हम फिर पास... और पास आ रहे हैं... वे उठ जाती हैं सुबह-सवेरे और रात में काटी गई सब्जी छौंक देती हैं। बहू उठती है, सबको चाय देती है, चपाती बनाती है। अपना टिफिन लगाती है। बच्चे को तैयार करके स्कूल छोड़कर आती है। खुद तैयार होती है और ऑफिस के लिए निकल जाती है। वे सुनिश्चित करती हैं कि बहू को ऑफिस के लिए देर न हो जाए। बाद में वे पति के काम करती हैं उनके साथ बैठती हैं, ढेर सारी बातें करती हैं। बीच में बेटा उठ जाता है। मां को हेल्प करता है और खुद ऑफिस जाने की तैयारी करता है। बच्चा स्कूल से आता है, वे उसे रिसीव करती हैं, उसकी तोतली जुबान में दिनभर की दास्तान सुन कर निहाल होती हैं। उसे रिलैक्स करती हैं और खुद भी आराम करती हैं। शाम को बहू पहले आती है। सबसे पहले सासू मां के पास बैठती है। पूछती है कि उनका दिन कैसा बीता? मॉम आज कुछ नया खाने का मन है? वे कहती हैं कि तुम थकी हो, मैं चाय बना देती हूं लेकिन बहू कहती है कि आपने दिनभर काम संभाला, अब मैं कर लूंगी सब। पिता देखते हैं जब सास-बहू की इस केमिस्ट्री को तो संतोष महसूस करते हैं। उन्हें विश्वास हो जाता है कि कभी बीमार पड़े तो बहू साथ देगी। फिर बेटा आता है, सब बच्चे के साथ खेलते हैं। डाइनिंग टेबल पर बातचीत चलती है। हंसी-खुशी दिन पूरा हो जाता है। यह है कांतिजी के खुशनुमा परिवार की तस्वीर। हर दिल इसे अपने घर में उतारना चाहेगा। थोड़ा सा एडजस्टमेंट और एक-दूसरे की मजबूरी समझने की समझदारी ने आज फिर से संयुक्त परिवारों के रास्ते खोल दिए हैं। न कोई चिक-चिक, न कोई खट-पट। बस तरक्की के सपने और सपोर्ट करने की चाहत है यहां।

गणित सुकून का

मैं हर दिन पश्चिमी परिधान में ऑफिस जाती हूं। किसी रिश्तेदार के घर आने या मेरे उनके यहां जाने पर अगर वह मुझसे साड़ी पहनने की उम्मीद करती हैं तो मैं इतना तो कर ही सकती हूं। वह खुश हो जाती हैं और हमारा वीकएंड अच्छा गुजरता है। अगर इसकी जगह मैं अपने कंफर्ट को प्राथमिकता दूं या उनकी उम्मीदों को जबर्दस्ती का दर्जा दूं तो हम दोनों ही परेशान होंगे। इससे फायदा भी तो नहीं है न कुछ।' न्यू जॉएंट फैमिलीज में एडजस्टमेंट को काफी पॉजिटिव लेती हैं मोनालिका। कंप्यूटर इंजिनियर हैं। बड़ी कंपनी में काम कर रही हैं, लेकिन परिवार के साथ रहकर सुकून महसूस कर रही हैं। वह कहती हैं, जहां मुझे लगता है कि मुझे मॉम की यह बात

माननी चाहिए, वहां मैं उनकी बात मान लेती हूं और जहां उन्हें लगता है कि मुझे मुश्किल हो रही है वे छूट' दे देती हैं।'

फैमिली पर दिल आ गया

शादी के लिए लड़की देखने आया परिवार उससे कुछ इस तरह से घुल-मिलकर बात करता है कि वह कहती है, फैमिली पर दिल आ गया...,' और शादी तय हो जाती है। परिवार के लोग डाइनिंग टेबल पर साथ बैठकर नहीं खाते तो दादी मां टेबल ही बेच देती हैं। कहती हैं, हम टेबल पर बैठकर खाते ही कब थे...।' परिवार गलती मानता है। नई टेबल आती है और सब बैठकर हंसी-खुशी खाना खाते हैं। अगर इन खुशनुमा विज्ञापनों को हम समाज में बदलते ट्रेंड का आईना मानें तो आज फैमिलीज बदल रही हैं। हम पास आ रहे हैं। कीमती रिश्तों की अहमियत समझ रहे हैं। आपस की अंडरस्टैडिंग को बढ़ा रहे है। जॉएंट फैमिली व रिश्तों की जरूरत समझते हुए न्यू कपल्स ने समझदारी से काम लेना शुरू कर दिया है। क्रेडिट बुजुर्गों को भी जाता है कि उन्होंने नई लाइफ स्टाइल में खुद को ढाला है। शायद उनके लिए शहरी-महानगरीय संस्कृति में रमना ज्यादा कठिन था, लेकिन उन्होंने बच्चों की सहूलियत को प्राथमिकता दी और खुद को बदलने की कोशिश की। नए जमाने के ये संयुक्त परिवार खूब एंजॉय कर रहे हैं। एक सिस्टम बनाया है इन्होंने, जिसके तहत सभी सदस्य अपना-अपना काम करते हैं और एक-दूसरे की जरूरतों का ख्याल रखते हैं।

बढ़ी है शेयरिंग

हमारी जेनरेशन ने अपने पैरेंट्स की सुनी, लेकिन हम बच्चों को फ्रीडम दे रहे हैं। मैं जिस स्थिति से गुजरी हूं उसे बच्चों के सामने नहीं आने देना चाहती। अगर हमें बदलाव लाना है तो घर से ही शुरू करना होगा।' परिवारिक सोच में बदलाव की समर्थक हैं कुमकुम। उनका माना है कि जब आप बच्चों को सपोर्ट करेंगे तो वे भी आपसे वैसा ही व्यवहार करेंगे। अगर आप उन पर भरोसा करेंगे तो वे भी आप पर भरोसा करेंगे। फैमिलीज में बदलाव और फैमिली मेंबर्स के बीच बेहतर सामंजस्य का क्रेडिट वे शेयरिंग को देती हैं। वह कहती हैं, चूंकि आज फैमिली में शेयरिंग बढ़ी है इसलिए सभी सदस्य एक-दूसरे की मुश्किलें और सहूलियतें समझने लगे हैं। पहले हम पर ढेर सारी बंदिशें थीं तो हमारी ग्रोथ नहीं हो पाई। रोक-टोक से प्रोग्रेस रुक जाती है। बच्चों की प्रोग्रेस हमारी ही तो प्रोग्रेस है।'

यूं बदली है सोच

एक समय था कि जब शादी के बाद मां लड़की को कहती थी कि ससुराल में जो भी कहा जाए सिर झुका कर मान लेना, किसी से बहस नहीं करना, सबका मन जीतना, हमारा नाम नहीं डुबोना...। मां की इस सीख के बाद लड़की हर तरह का त्याग करती। फिर एक दौर ऐसा भी आया जब लड़कियां ससुराल की शिकायत मां को सुनातीं तो वे कहतीं कि तुम तो बस अपना देखो। बाकी सब को जाने दो। इस दौर में स्वार्थ आगे आया तो संयुक्त परिवार टूट गए। एक शहर में रहते हुए बहू-बेटे ने ससुराल से किनारा कर लिया और न्यूक्लियर फैमिली के रूप में जीवन जीने को अहमियत दी, लेकिन आज की भागमभाग वाली जिंदगी में संयुक्त परिवार की जरूरत फिर महसूस होने लगी है। वैसे अब केवल चार लोगों के परिवार को भी संयुक्त परिवार कहते हैं। जिसमें सास-ससुर, बेटा-बहू रहते हैं। ये चारों जान गए हैं कि अलगाव सब पर भारी है।

मुख्यमंत्री चौहान ने 20 लाख किसानों के खातों में ट्रान्सफर किये 400 करोड़ रूपये

दमोह के खनिज संसाधनों का दोहन कर स्थापित करेंगे उद्योग - मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के 20 लाख किसानों को मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत 400 करोड़ रुपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से उनके खातों में ट्रान्सफर की। दमोह जिला मुख्यालय पर आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हम मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनायेंगे। विकास में मध्यप्रदेश को पीछे नहीं रहने देंगे। हमारी सरकार किसानों, गरीबों, माताओं और बहनों के लिये काम करने वाली सरकार है। कोरोना काल से अब तक विभिन्न योजनाओं के तहत हमने करोड़ों रुपये की राशि किसानों के खातों में भेजी है। आने वाले 15 दिनों में हम पिछले साल खराब हुई फसलों की राहत राशि के तौर पर 1500 करोड़ रुपये की राहत भी प्रभावित किसानों के खातों में ट्रान्सफर करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के किसानों की उन्नति एवं समृद्धि के लिये कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी प्रदेश के किसानों से गेहूँ, चने का

दाना-दाना खरीदा है। इस साल भी खरीदेंगे। दमोह जिले में जिन किसानों का पंजीयन अब तक नहीं हो पाया है, उनके लिये पंजीयन की अवधि बढ़ाई जाएगी। कार्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रहलाद पटेल, खजुराहो सांसद श्री वी.डी. शर्मा, मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स कॉरपोरेशन अध्यक्ष श्री राहुल सिंह और पूर्व मंत्री श्री जयंत मलैया ने भी संबोधित किया मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना के तहत आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सतना, देवास, शिवपुरी, शाजापुर और सिवनी जिले के किसानों के साथ संवाद भी किया। उन्होंने इस दौरान किसानों से योजना का फीडबैक लिया। साथ ही उनकी समस्यायें भी सुनी और उनके निराकरण के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने दमोह जिले को करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 482 करोड़ रूपये से अधिक लागत के कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। इसमें महत्वूपर्ण रुप से 325 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन शामिल है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि दमोह का सर्वांगीण विकास होगा। दमोह जिले में उपलब्ध खनिज साधनों का दोहन का हम लघु, मध्यम और बड़े उद्योग भी स्थापित करेंगे, जिससे स्थानीय युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार मिल सके। उन्होंने दमोह जिले में सिंचाई के लिये किये जा रहे कार्यों की भी जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दमोह शहर के लिये चल रही पेयजल योजना के कार्य को तेजी से पूरा कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि दमोह के सर्वांगीण विकास के लिये सभी महत्वपूर्ण विकास कार्य कराये जायेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि लंबे समय से चल रहे केन-बेतवा का विवाद निपट चुका है। हम शीघ्र ही प्रधानमंत्री से मिलकर इस विषय पर चर्चा करेंगे और शीघ्र ही इन नदियों के पानी को बुन्देलखण्ड की धरती तक पहुँचायेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दमोह के 446 गाँवों में जल जीवन मिशन के तहत हर घर में नल के माध्यम से जल पहुँचाने की घोषणा की मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिले के प्रत्येक पात्र हितग्राही को पात्रता पर्ची जारी करें। कोई भी गरीब इससे न छूटे। यह कलेक्टर की जिम्मेदारी है। जिन पात्र हितग्राहियों की पात्रता पर्ची बने, उन्हें राशन मिले, यह भी सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीबों के राशन को खुर्दबुर्द करने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को हथकड़ी लगवायें और जेल भिजवायें। गड़बड़ी करने वाले किसी भी व्यक्ति को छोड़ा न जाए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में सशक्त कदम उठाये जा रहे है। हर माह अलग-अलग स्व-सहायता समूहों के खाते में 150 करोड़ रुपये की राशि भेजी जा रही है। अब हमारी समूह की महिलायें गणवेश भी बनायेंगी। बहनों की आमदनी बढ़ाना हमारा उद्देश्य है। अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि गणवेश निर्माण कार्य में समूह की बहनें ही काम करें, कोई ठेकेदार न घुसे। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रलोभन देकर अवैध रुप से धन एकत्र करने वाली चिटफंड कंपनियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि हमने अब तक ऐसी कई कंपनियों की संपत्ति जप्त कर नीलाम की हैं और करोड़ों रुपये का भुगतान प्रभावित लोगों को कराया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आप चिन्ता न करें, ऐसी धोखाधड़ी करने वालों को हम छोड़ेंगे नहीं।

राष्ट्रपति के जबलपुर आगमन को लेकर तैयारी शुरु

भोपाल । आगामी छह मार्च को देश के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का प्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर में आगमन हो रहा है। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर शहर में तैया?रियां प्रारंभ हो चुकी है। वे यहां कई स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे। उनके आगमन कार्यक्रम पर आभार व्यक्त करने लोकसभा के मुख्य सचेतक सांसद राकेश सिंह ने दिल्ली में राष्ट्रपति से भेंट की। सांसद सिंह ने राष्ट्रपति को जबलपुर व रानी दुर्गावती के जीवन-चरित्र के बारे में बताया। सांसद राकेश सिंह ने राष्ट्रपति से न्यायालयीन कार्यक्रम के साथ ही मां नर्मदा की महाआरती में शामिल होने का आग्रह किया, जिस पर राष्ट्रपति ने सहमति दे दी। इस पर सांसद सिंह ने जबलपुर संसदीय क्षेत्र की जनता की ओर से अभिवादन व धन्यवाद ज्ञापित किया। संभावना जताई जा रही है ?कि

राष्ट्रपति धुआंधार जलप्रपात भी जा सकते हैं। इसकी तैयारी को लेकर यहां पहुंचे अधिकारियों ने कहा कि भवनों में लिफ्ट, विद्युत व्यवस्था, नर्मदा के घाटों पर नाव के पुख्ता प्रबंध किए जाएं। इस दौरान नगर निगम आयुक्त संदीप जीआर, अपर कलेक्टर हर्ष दीक्षित समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बताया जाता है कि राष्ट्रपति ग्वारीघाट में मां नर्मदा आरती में शामिल हो सकते हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का आगमन कोरोना संक्रमण के कारण पहले टल चुका है। कोरोना को ध्यान में रखते हुए अधिकारी हर तरह की सावधानी रख रहे हैं। साथ ही सुरक्षा का भी ध्यान रखा जा रहा है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के छह मार्च को प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर प्रशासन व पुलिस विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार को तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर कर्मवीर शर्मा, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा समेत तमाम अधिकारी सर्किट हाउस क्रमांक एक व दो, कल्चुरी होटल, मानस भवन, भेड़ाघाट, ग्वारीघाट पहुंचे।

आवासहीनों को पटटे देगी सरकार : भूपेंद्र सिंह

भोपाल । प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के गरीब एवं आवासहीनों को पटटे देगी और गरीबों को काबीज भूमि से नहीं हटाया जाएगा। इसके लिए नोइयत में बदलाव किया जाएगा। यह जानकारी उन्होंने विधानसभा में प्रश्नोत्तरकाल के दौरान कांग्रेस विधायक देवेंद्र सिंह पटेल के प्रश्न के उत्तर में दी। प्रधानमंत्री योजना के आवास आवंटन की प्रक्यिा के बारे में उन्होंने जानकारी दी कि इसके लिए पटटा होना चाहिए, तीन लाख से कम सालाना आय होना चाहिए। जैसे ही हितग्राही आएगा उसको स्वीक्रति प्रदान कर दी जाएगी। इससे पूर्व श्री पटेल ने सवाल किया कि उनके क्षेत्र में गरीबों को पीएम आवास योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। गरीबों को पटटे भी नहीं मिल रहे हैं। इसके जबाव में मंत्री ने कहा कि पटटे इसलिए नहीं मिल रहे हैं क्योकि नोइयत में बदलाव की कार्रवाई की जा रही है। मंत्री ने हमारे मुख्यमंत्री ने प्रत्येक गरीब परिवार को पटटे देने के निदेंश दिए हैं। इसीलिए पटटे सभी गरीब को प्रदान किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री चौहान ने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद एवं नानाजी देशमुख को श्रद्धांजलि दी

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद एवं महान समाजसेवी नानाजी देशमुख की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अपने निवास पर दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण कर शत्-शत् नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद ने देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान किया था। वे अदम्य साहस की मिसाल थे, उनके नाम से अंग्रेज थर-थर कांपते थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि महान समाजसेवी श्री नानाजी देशमुख ने शिक्षा, स्वास्थ्य तथा ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। इन महापुरुषों के बताये मार्ग पर चलकर हम देश एवं प्रदेश की उन्नति के लिए सदैव कार्य करते रहेंगे। शहीद चन्द्रशेखर %आजाद% (23 जुलाई 1906 - 27 फ़रवरी 1931) महान स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी थे। वे शहीद राम प्रसाद बिस्मिल व शहीद भगत सिंह जैसे महान क्रान्तिकारियों के अनन्यतम साथियों में से थे। उन्होंने राम प्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में 9 अगस्त 1925 को काकोरी को अंजाम दिया। सन् 1927 में 4 प्रमुख साथियों के बलिदान के बाद उन्होंने उत्तर भारत की सभी क्रान्तिकारी पार्टियों को मिलाकर ÷हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन÷ का गठन किया और भगत सिंह के साथ लाहौर में लाला लाजपत राय की मौत का बदला सॉण्डर्स की हत्या करके लिया एवं दिल्ली पहुँच कर असेम्बली बम काण्ड को अंजाम दिया। चंडिकादास अमृतराव देशमुख (11 अक्टूबर 1916 - 27 फरवरी 2010) एक भारतीय समाजसेवी थे। वे पूर्व में भारतीय जनसंघ के नेता थे। वर्ष 1977 में जब जनता पार्टी की सरकार बनी, तो उन्हें मोरारजी मंत्री मंडल में शामिल किया गया। उन्होंने यह कहकर मंत्री पद ठुकरा दिया कि 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग सरकार से बाहर रहकर समाज-सेवा का कार्य करें। नानाजी देशमुख जीवन पर्यन्त दीनदयाल शोध संस्थान के अन्तर्गत चलने वाले विविध प्रकल्पों के विस्तार के लिये कार्य करते रहे। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने उन्हें राज्यसभा का सदस्य मनोनीत किया। अटलजी के कार्यकाल में ही भारत सरकार ने उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य व ग्रामीण स्वालम्बन के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान के लिये पद्म विभूषण भी प्रदान किया। वर्ष 2019 में उन्हें भारतरत्न से सम्मानित किया गया।

चित्र पर माल्यार्पण कर किया नमन

1 मार्च से 60 साल से अधिक उम्र के लोगों का पंजीयन शुरू.

भोपाल। कोरोना संक्रमण बढने के साथ उसके बचाव के तरीकों पर भी प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग काम कर रहा है। अभी जिनोम सिक्वेंस का भी पता लगाया जा रहा है। वहीं कितने दिन तक कोरोना मरीजों में एंटीबॉडी रहती है, इसकी भी जानकारी हासिल करने के लिए सीरो सर्वे करवाया जा रहा है। 1 मार्च से 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के वैक्सीनेशन की अनुमति केन्द्र सरकार ने दी है, जिसके लिए पंजीयन शुरू होगा। वहीं 81 फीसदी से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों ने दूसरा डोज भी लगवा लिया है। पहले चरण में स्वास्थ्यकर्मियों को कोरोना वैक्सीन लगे और 70 फीसदी ने ये वैक्सीन लगवाए, जिनको अब दूसरा डोज लगाया जा रहा है। 81 फीसदी तक स्वास्थ्यकर्मियों ने दूसरा बूस्टर डोज लगवा लिया, लेकिन फ्रंट लाइन वर्कर को जो पहला डोज लगना है उसमें अभी भी कम लोग पहुंच रहे हैं। अधिकारी-कर्मचारियों को ये डोज लग रहे हैं। वहीं नोडल अधिकारी के मुताबिक 1 मार्च से 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों का भी वैक्सीनेशन शुरू होना है। लिहाजा उसका भी पंजीयन शुरू होगा। वहीं गत वर्ष अप्रैल में जो कोरोना पॉजिटिव मिले थे उनमें से 150 लोगों के सैम्पल सीरो सर्वे हेतु लिए जा रहे हैं। इसमें हर श्रेणी के मरीजों को शामिल किया गया है, जिससे यह पता लगाया जाएगा कि कोरोना होने के बाद स्वस्थ हुए लोगों में कितने दिन तक संक्रमण से लडने की एंटीबॉडी मौजूद रहती है। क्योंकि विशेषज्ञ यह पता लगाने में जुटे हैं कि एक बार जो मरीज संक्रमित हो जाता है, वह कब तक दोबारा संक्रमित होने से बच सकता है। हालांकि कुछ ऐसे मरीज भी सामने आए हैं जो दूसरी बार पॉजिटिव हो गए। वहीं अब वैक्सीनेशन के बाद भी यह पता लगाया जाएगा कि इसका भी असर कब तक रहता है। दरअसल गत वर्ष मार्च के महीने से मप्र में कोरोना संक्रमण की शुरुआत हुई थी और फिर अप्रैल-मई में अधिक मरीज मिले। तत्पश्चात जून से अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हुई। फिर अभी नवम्बर-दिसम्बर में भी मरीजों की संख्या बढ़ गई थी और फिर मरीज घटना शुरू हुए, लेकिन बीते 10 दिनों से फिर संक्रमण दर बढ़ गई है।

युकां के बाद महिला कांग्रेस करेगी विधानसभा का घेराव

भोपाल। युवा कांग्रेस के तीन मार्च को होने वाले प्रदर्शन के बाद महिला कांग्रेस की सरकार को घेरने के लिए सड़कों पर उतरने जा रही है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर प्रदेश महिला कांग्रेस विधानसभा का घेराव करने की रणनीति बना रहा है। हाल ही में महिला कांग्रेस के प्रदेश पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों की हुई बैठक में यह तय किया गया था कि महंगाई के साथ ही बढ़ते महिला अपराधों पर सरकार को घेरने के लिए सड़कों पर उतरेगी। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन पहले प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में महिला सम्मेलन आयोजित होगा। इसके बाद महिला कांग्रेस सड़कों पर उतरेगी और विधानसभा का घेराव करेगी। इससे पहले युवा कांग्रेस तीन मार्च को बेरोजगारी, महंगाई सहित अन्य मुद्दों पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेगी। युवा कांग्रेस विधानसभा का घेराव करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने यह साफ कर दिया है कि कांग्रेस के अनुषागिंक संगठनों को भी सरकार के खिलाफ अपनी ताकत दिखाना होगी। इसके जरिए ही संगठनों के मुख्यों के काम-काज का आंकलन किया जाएगा। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष मांडवी चौहान को भी इस प्रदर्शन के जरिए अपनी ताकत दिखाना होगी। इसलिए महिला कांग्रेस की जिला स्तर पर भी प्रदर्शन को लेकर बैठक होगी।

मध्यप्रदेश में दो-दो मुख्यमंत्री कार्यक्रम से एन पहले उजागर हुई गलती

भोपाल। क्या मध्यप्रदेश में दो मुख्यमंत्री हैं। नहीं, लेकिन शुक्रवार को होने वाले एक आयोजन का आमंत्रण कार्ड तो यही कहता है। मुरैना नगर निगम ने नगरीय निकाय मंत्री भूपेंद्र सिंह को मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री ही बना दिया। आमंत्रण कार्ड का फोटो वायरल होने के बाद यह गलती सुधारी गई। बाद में नए कार्ड बांटे गए। मामला मुरैना में दीनदयाल अंत्योदय रसोई योजना के दूसरे चरण के तहत रसोई केंद्रों के उद्घाटन अवसर का है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल के मिंटो हॉल से प्रदेशभर में 100 रसोई केंद्रों का शुभारंभ किया। इसमें मुरैना जिले की रसोई भी शामिल हैं। इसी कार्यक्रम के लिए मुरैना नगर निगम ने आमंत्रण कार्ड छपवाए थे, जिसमें एक तरफ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का फोटो लगाया था, जबकि दूसरी तरफ नगरीय निकाय मंत्री भूपेंद्र सिंह का फोटो लगा था। दोनों ही फोटो के नीचे मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश लिख दिया गया। लोकार्पण समारोह के इस आमंत्रण पत्र को शहरभर में बंटवा भी दिया गया। लेकिन, जब इस गलती के बारे में लोगों को पता चला तो हड़कंप मच गया। पूरे शहर में इस भारी गलती की चर्चा होने लगी। नगर निगम कमिश्नर तक इस गलती के बारे में खबर पहुंच गई, कमिश्नर इस गलती पर भड़क गए। आनन-फानन में नए कार्ड छपवाए गए। पुरानी गलती सुधारते हुए नए कार्ड शहर में बांटे गए। नगर निगम गलती छुपाने का भी प्रयास करता रहा, लेकिन इससे पहले ही सोशल मीडिया पर इस कार्ड की फोटो वायरल हो गई, लोग इस पर तरह-तरह के कमेंट्स कर रहे हैं।

कांग्रेस ने घेरा तो भाजपा ने दिया जवाब

कोरोना काल में मध्यप्रदेश सरकार ने बांटा 30 करोड़ का काढ़ा

भोपाल। कोरोना महामारी से जंग में मध्य प्रदेश सरकार ने लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आयुर्वेदिक काढ़ा बांटने की शुरुआत की थी। सरकार की ओर से विधानसभा में एक सवाल के जवाब में जानकारी दी गई है कि कोरोना काल में करीब 30 करोड़ रुपए से अधिक का काढ़ा लोगों में बांटा गया। विपक्षी कांग्रेस ने इस पर सवाल उठाते हुए सरकार को घेरा है। वहीं भाजपा ने पूछा है लोगों के स्वास्थ्य पर किए गए खर्च को कांग्रेस गलत कैसे ठहरा सकती है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष और कमलनाथ के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री रहे जीतू पटवारी ने विधानसभा में सवाल पूछा था कि नवंबर 2020 तक मध्य प्रदेश सरकार ने काढ़ा बनाने और उसे बांटने

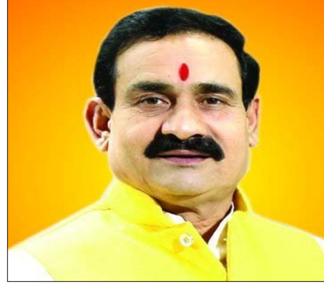

पर कितना खर्च किया है। पटवारी ने यह भी पूछा था कि नवंबर 2020 तक काढ़ा के कितने पैकेट प्रदेश में बांटे गए हैं और उसमें कितना काढ़ा था। कांग्रेस विधायक पटवारी के सवाल का जवाब देते हुए आयुष राज्य मंत्री रामकिशोर कावरे ने विधानसभा में बताया कि नवंबर 2020 तक मध्य प्रदेश सरकार ने 30 करोड़ 64 लाख 48 हजार 308 रुपए का काढ़ा बांटा है। इस दौरान 50 ग्राम काढ़े के करीब 6 करोड़ 3 लाख 94 हजार पैकेट बांटे गए हैं। कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी ने इस संबंध में सवाल उठाए। पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश की आबादी ही साढ़े सात करोड़ है और सरकार कह रही है कि उसने 6 करोड़ लोगों को काढ़ा बांटा। यह कैसे संभव है? ऊपर से काढ़ा बनाने और बांटने पर 30 करोड़ खर्च हुए हैं, इसकी जांच होनी चाहिए। वहीं, कांग्रेस के विधायक जीतू पटवारी की ओर से लगाए गए आरोपों को सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने सिरे से खारिज कर दिया।

गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने उल्टे कांग्रेस को ही सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया। नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य पर हुए खर्चे को लेकर कांग्रेस जैसी पार्टी ही सवाल खड़े कर सकती है। सच तो यह है कि लोगों की जान बचाने के लिए 30 करोड़ क्या 300 करोड़ भी खर्च करने होते तो हमारी सरकार करती। उन्होंने कहा कि अगर मध्य प्रदेश में मृत्यु दर कम रही है तो हो सकता है इसकी बड़ी वजह हमारी सरकार द्वारा बांटा गया काढ़ा ही हो

इटली में अल्पाइन स्की मुकाबले में भाग लेती हुई ऑस्ट्रिया की रमोना सिबेनहोफर।

केविन पीटरसन ने चौथे टेस्ट मैच के लिए टर्निंग विकेट नहीं बनवाने का आग्रह किया

अहमदाबाद। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने भारतीय टीम प्रबंधन से चौथे टेस्ट मैच के लिए टर्निंग विकेट नहीं बनवाने का आग्रह करते हुए कहा कि खिलाड़ी भी ऐसा नहीं चाहते हैं। भारत ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में तीसरा टेस्ट मैच को यहां दूसरे दिन ही 10 विकेट से जीतकर चार मैचों की सीरीज में 2-1 से बढ़त बनाकरविश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। पीटरसन ने टवीट किया, एक मैच के लिए ऐसा विकेट ठीक है, जहां बल्लेबाज के कौशल और तकनीक का टेस्ट होता है लेकिन मैं इस तरह का विकेट और नहीं देखना चाहता और मुझे लगता है कि सारे खिलाड़ी भी नहीं चाहते। बहुत अच्छे, इंडिया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने भी पिच की प्रकृति पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने ट्वीट किया, मैच दो दिन में समाप्त हो गया, पक्के तौर पर नहीं कह सकता कि यह टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा है। अगर अनिल कुंबले और हरभजन सिंह इस तरह के विकेट पर

गेंदबाजी करते तो उनके नाम पर 1000 और 800 विकेट दर्ज होते। फिर भी अक्षर, अश्विन को बधाई। इशांत को 100वें टेस्ट मैच की बधाई। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी पिच पर नाखुशी जाहिर की। उन्होंने मजाकिया अंदाज में ट्वीट किया, 'अगर इस तरह की पिचें तैयार की जाती है,तब मेरे पास जवाब है कि यह कैसे काम कर सकता है। टीमों को तीन पारियां खेलने के लिए दो।'

दिग्गज ऑलराउंडर यूसुफ पठान ने क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर युसूफ पठान ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास का ऐलान किया है। भारत के लिए 57 वनडे और 22 टी-20 इंटरनैशनल मैच खेलने वाले यूसुफ पठान ने ट्वीट पर मेसेज लिखते हुए क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला किया। उन्होंने अपनी फैमिली, दोस्तों, चाहने वालों और सभी देशवासियों को सपॉर्ट के लिए शुक्रिया कहा। यूसुफ पठान ने लिखा- मैं अपनी फैमिली, दोस्तों, प्रशंसकों, टीमों, कोचों और पूरे देश के समर्थन के लिए तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। आईपीएल में यूसुफ ने 2010 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 37 गेंद पर शतक जमाया था। यह आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक है। क्रिस गेल के नाम 30 गेंद में शतक का रेकॉर्ड दर्ज है। रोचक बात यह है कि यूसुफ ने 2007 के ञ्20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू किया था। भारत ने पहली बार खेले गए इस टूर्नामेंट का खिताब भी अपने नाम किया था।

मैथ्यू हेडन बोले-

भारत की महान टीम में सारी खूबियां,- हर परिस्थिति में जानते हैं जीतने का हुनर

चेन्नई । भारत में महान टीम की सारी खूबियां यह बात ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने कही है। हेडन ने कहा कि भारतीय टीम में महान टीम की सारी निशानियां है क्योंकि वह हर परिस्थिति में जीतने का हुनर जानती है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर 2-1 से हराया। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में 2-1 से बढत बना ली है। हेडन ने एक इंटरव्यू में कहा, 'भारत ने दिखा दिया है कि वह ऐसी आधुनिक टीम है जो जुझारूपन से खेलना और विषम परिस्थितियों में जीतना जानती है। अपनी धरती पर भी और विदेश में भी ।चेन्नई और अहमदाबाद में विकेटों

को लेकर हो रही आलोचना पर हेडन ने कहा, 'विकेट बुरे तरीके से तैयार नहीं की गई थी। मुझे कोई दिक्कत नहीं है। हालात ऐसे होने चाहिए कि मुकाबला बराबरी का हो।% उन्होंने कहा, 'अपनी धरती पर और विदेश में भी टीमों को हालात के अनुकूल विशेषज्ञ रखने चाहिए। आधुनिक क्रिकेट, आधुनिक प्रारूप, अलग-अलग हालात और अपार संसाधनों के चलते यही सही है।% ऑस्ट्रेलिया के लिए 103 टेस्ट में 8625 रन बना चुके हेडन ने आर अश्विन और अक्षर पटेल का सामना करने में नाकाम रहे इंग्लैंड के बल्लेबाजों को सलाह देते हुए कहा, 'अहमदाबाद की विकेट ज्यादा टर्न नहीं लेती। मैं इस पर जब संभव हो स्वीप शॉट खेलने का प्रयास करता। इंग्लैंड के बल्लेबाजों को हालात के अनुरूप स्पिनरों को खेलना चाहिए।% उन्होंने कहा, 'गेंद के टर्न नहीं लेने पर क्रॉस बैट शॉट खतरनाक होते हैं जिससे पगबाधा होने की काफी संभावना रहती है।

तेज गेंदबाज विनय कुमार ने क्रिकेट को अलविदा कहा, झटके थे 504 विकेट

नई दिल्ली। टीम इंडिया के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज विनय कुमार ने क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। शुक्रवार को विनय कुमार ने सोशल मीडिया पर सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान किया। 37 साल के इस तेज गेंदबाज ने साल 2010 में भारत के लिए डेब्यू किया था और उन्होंने 31 वनडे में 38 विकेट अपने नाम किये। इसके अलावा विनय कुमार ने 9 टी20 में 10 विकेट भी लिये। साथ ही विनय कुमार ने एक टेस्ट मैच भी खेला जिसमें उन्हें एक विकेट मिला। विनय कुमार को भारतीय घरेलू क्रिकेट के सबसे अच्छे तेज गेंदबाजों में से एक कहा जाए तो गलत नहीं होगा। विनय कुमार ने 139 फर्स्ट क्लास मैचों में कुल 504 विकेट अपने नाम किये। साथ ही इस दिग्गज गेंदबाज ने 225 लिस्ट ए और 194 टी20 विकेट भी झटके। विनय कुमार ने साल 2004-05 में फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। आते ही उन्होंने अनी लेग कटर्स और स्लोअर बॉल्स से बल्लेबाजों को परेशान किया। अपने करियर के पहले तीन फर्स्ट क्लास सीजन में उन्होंने 20 से ज्यादा विकेट झटके। विनय कुमार ने साल 2009-10 के रणजी सीजन में तहलका मचाया।

पेट्रोल और डीजल के दाम नहीं बढ़े

मुंबई । घरेलू बाजार में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल के दाम में बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में पेट्रोल-डीजल के दाम इसके पहले 35-35 पैसे बढ़ गए थे। राजधानी में पेट्रोल 90.93 रुपए प्रति लीटर और डीजल 81.32 रुपए प्रति लीटर है। दिल्ली में 26 फरवरी को पेट्रोल के दाम कल के भाव 90.93 रुपए प्रति लीटर और डीजल के भाव कल के हिसाब से 81.32 रुपए प्रति लीटर पर है। मुंबई में भी पेट्रोल के 97.34 रुपए प्रति लीटर और डीजल 88.44 रुपए प्रति लीटर हैं। कोलकाता में भी पेट्रोल के दाम 91.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 84.20 रुपए प्रति लीटर हैं। चेन्नई में भी पेट्रोल के दाम 92.90 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 86.31 रुपए प्रति लीटर हैं। इसी तरह बेंगलुरु में भी पेट्रोल का भाव 93.98 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 86.21 रुपए प्रति लीटर हैं।

सेंसेक्स एक हजार अंक फिसला; निफ्टी 14,900 अंक से नीचे

मुंबई। वैश्विक बाजारों की गिरावट के बीच कई बड़ी कंपनियों के शेयरों के भाव नीचे आने से शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स एक हजार अंक से अधिक टूट गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स एक समय 49,950.75 अंक पर आ गया था। हालांकि इसने कुछ सुधार दर्ज की और 927.21 अंक की गिरावट के साथ 50,112.10 अंक पर कारोबार कर रहा था। इसी प्रकार एनएसई निफ्टी 270.40 अंक नीचे 14,826.95 अंक पर था। सेंसेक्स की कंपनियों में इंडसइंड बैंक में सर्वाधिक तीन प्रतिशत की गिरावट रही। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी, एमएंडएम, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टेक महिंद्रा के शेयरों में भी गिरावट रही। दूसरी ओर नेस्ले इंडिया, मारुति सुजुकी, एचयूएल और भारती एयरटेल के शेयर बढ़त में रहे। पिछले सत्र में सेंसेक्स 257.62 अंक की बढ़त के साथ 51,039.31 अंक पर और निफ्टी 115.35 अंक चढ़कर 15,097.35 अंक पर बंद हुआ था।

भारत में बढ़ेगा स्मार्टफोन, स्मार्ट टीवी विनिर्माण

-शाओमी ने बीवाईडी, डीबीजी और रेडिएंट से हाथ मिलाया

नई दिल्ली(ईएमएस)। शाओमी ने अपने 'मेक इन इंडिया' प्रयासों को मजबूती देने के लिए ठेके पर विनिर्माण करने वाली कंपनियों बीवाईडी, डीबीजी और रेडिएंट से हाथ मिलाया है। चीन की कंपनी ने स्मार्टफोन विनिर्माण के लिए बीवाईडी और डीबीजी से करार किया है। वहीं भारत में अपनी स्मार्ट टीवी की क्षमता बढ़ाने के लिए उसने रेडिएंट से हाथ मिलाया है।

शाओमी इंडिया के प्रबंध निदेशक मनु जैन ने बृहस्पतिवार को वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा कि डीबीजी की इकाई हरियाणा में पहले से परिचालन में है। इससे शाओमी की मासिक विनिर्माण क्षमता करीब 20 प्रतिशत बढ़ जाएगी। उन्होंने बताया कि बीवाईडी की इकाई तमिलनाडु में जल्द परिचालन में आएगी। फिलहाल शाओमी के भारत में पांच परिसर है, जहां उसकी भागीदार

फॉक्सकॉन और फ्लेक्स तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में फोन असेंबल करती हैं। जैन ने कहा, घर से काम और घर से पढ़ाई की वजह से स्मार्टफोन की मांग में भारी इजाफा हुआ है, जिसके चलते विनिर्माण क्षमता बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि क्षमता में विस्तार से हम बढ़ी मांग को पूरा कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि इन फोन में इस्तेमाल होने वाले ज्यादातर कलपुर्जे स्थानीय स्तर पर विनिर्मित, असेंबल या खरीदे गए हैं।

संत रविदास जी के बताए मार्ग पर चलकर जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएँ : सिंधिया

सांसद शेजवलकर की अध्यक्षता एवं ऊर्जा मंत्री तोमर की मौजूदगी में हुआ आयोजन

ग्वालियर। कोई भी व्यक्ति जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। संत रविदास जी ऐसी ही महान आत्माओं में से एक थे। हमें संत रविदास जी की पूजा ही नहीं उनके बताए मार्ग पर चलकर अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के प्रयास करने चाहिए। इस आशय के विचार पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं रा'यसभा सांसद 'योतिरादित्य सिंधिया ने अजाक्स द्वारा संत सिरोमणि गुरू रविदास जी की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में व्यक्त किए। समारोह की अध्यक्षता सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने की। इस अवसर पर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर भी बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद थे। इस अवसर पर अजाक्स कार्यालय परिसर में संत शिरोमणि रविदास जी की प्रतिमा का अनावरण भी किया गया। शनिवार को यहाँ ठाठीपुर स्थित अजाक्स कार्यालय परिसर में आयोजित हुए कार्यक्रम में अतिथियों ने समाज के संतजन एवं समाज सेवियों को शॉल-श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। रा'यसभा

सांसद सिंधिया ने कहा कि 600 वर्ष से अधिक समय व्यतीत हो जाने के बाबजूद संत रविदास जी के सिद्धांत एवं विचार आज भी प्रासंगिक हैं। वे केवल महान संत ही नहीं अपितु दर्शनशास्त्री एवं कवि भी थे। इतने सारे गुणों का समावेश होने से वे महान संत कहलाए और समाज को सही रास्ता दिखाया। सिंधिया ने कहा कि संत रविदास ने संदेश दिया कि भगवान उसी के हृदय में निवास करते हैं जिसमें भेदभाव, द्वेष व लालच न हो। आत्मा शुद्ध हो। किसी के प्रति मन में नकारात्मक भाव न हों। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत को विश्व पटल पर ऊँचा उठाने के लिये दलितों एवं शोषित लोगों को राष्ट्र की मुख्यधारा में जोड़ने का काम कर रहे हैं। यही संकल्प हम सबका होना चाहिए। सिंधिया ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के दौर में हम तभी मजबूत बनेंगे जब एक दूसरे का हाथ थामकर एक लड़ी के रूप में भारत माता की सेवा करेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग में शिक्षा ही सबसे बड़ा हथियार है। इसलिये अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोग शिक्षित होकर प्रदेश एवं देश के भविष्य के शिल्पकार बनें, यही संत रविदास जी के प्रति स'ची श्रृद्धांजलि होगी।

सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि भारतीय संस्कृति व मूल्यों के संरक्षण में संतों की सदैव से विशेष भूमिका रही है। इसीलिए तमाम बाहरी हमलों के बाबजूद हमारी संस्कृति की ध्वजा आज भी फहरा रही है। संत रविदास जी उसी संत परंपरा के श्रेष्ठ संतों में से एक थे। संत रविदास जी ने समाज को भक्ति के साथ-साथ आध्यात्मिक मार्ग का पाठ पढ़ाया। शेजवलकर ने इस अवसर पर यह भी कहा कि हमारे संतों ने समाज व देश को जोड़ने के लिये जो परंपरा शुरू की उसे हम आगे बढ़ाएँ, यही संत रविदास जी के प्रति हम सबकी स'ची श्रृद्धांजलि होगी। शेजवलकर ने कहा कि हमारी कोई भी विचारधारा हो पर अपनी संस्कृति को नहीं भूलना चाहिए। बाबा साहब आम्बेडकर ने भी कभी अपनी संस्कृति से नाता नहीं तोड़ा। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने संत शिरोमणि रविदास जी के विचारों का स्मरण करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार अनुसूचित जाति, अनुसूचितजनजाति वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के कल्याण के लिये लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा सरकार ने इन वर्गों के उत्थान के लिये कारगर योजनायें बनाई हैं।

अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें मिलें यह हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए :सारंग

चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने चिकित्सकों की बैठक में दिए निर्देश, जेएएच अस्पताल का किया निरीक्षण

ग्वालियर। प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री विश्वास सारंग ने शनिवार को गजराराजा मेडीकल कॉलेज में चिकित्सकों से चर्चा की और उसके पश्चात अस्पताल का निरीक्षण किया। मंत्री श्री सारंग ने कहा है कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें आमजनों को उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। चिकित्सक अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। अस्पताल में आने वाले मरीज को बेहतर उपचार मिले, यह हमारी पहली प्राथमिकता है। गजराराजा मेडीकल कॉलेज के सभागार में स्वास्थ्य के क्षेत्र में मेडीकल कॉलेज द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, संभाग आयुक्त आशीष सक्सेना, डीन मेडीकल कॉलेज डॉ. एस एन अयंगर, अधीक्षक जेएएच डॉ. आर एस धाकड़, पूर्व अधीक्षक डॉ. अशोक मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष ग्वालियर विकास प्राधिकरण अभय चौधरी सहित मेडीकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने कहा है कि सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल में खाली पड़े

पदों को शीघ्र भरने की कार्रवाई की जायेगी। इसके साथ ही न्यूरोसर्जरी विभाग में भी जो पद खाली हैं उनको भरने की कार्रवाई की जायेगी। मंत्री सारंग ने कहा कि मेडीकल कॉलेज एवं अस्पताल में स्वच्छता एवं सुरक्षा के लिये नियुक्त एजेन्सी अच्छे से कार्य न करे तो एजेन्सी के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। अस्पताल परिसर में सुरक्षा एवं सफाई से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। मंत्री सारंग ने कहा कि ग्वालियर में कार्डियोलॉजी विभाग में बाइपास सर्जरी की सुविधा भी शीघ्र उपलब्ध कराई जायेगी। इसके लिये कार्डियोलॉजी सर्जन की नियुक्ति भी शीघ्र होगी। उन्होंने एक हजार बिस्तर के निर्माण की प्रगति की भी समीक्षा की। मंत्री श्री सारंग ने बैठक में बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा शीघ्र ही एक मंथन कार्यक्रम का आयोजन भी भोपाल में किया जायेगा। इस कार्यक्रम में चिकित्सा से जुड़े चिकित्सक एवं स्टाफ के साथ बैठकर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में विचार-विमर्श कर नीतिगत निर्णय लिए जायेंगे। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि ग्वालियर का मेडीकल कॉलेज एवं गजराराजा चिकित्सालय बहुत ही पुराना और प्रतिष्ठित कॉलेज है। ग्वालियर के अस्पताल में न केवल ग्वालियर-चंबल अंचल के मरीज उपचार हेतु आते हैं बल्कि उत्तरप्रदेश और राजस्थान के भी अनेक मरीज ग्वालियर में उपचार हेतु आते हैं। ग्वालियर में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर करने की दिशा में जो भी आवश्यकता है उसकी पूर्ति शीघ्र की जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रॉमा सेंटर की क्षमता बढ़ाने का कार्य भी हमें प्राथमिकता से करना चाहिए। इसी प्रकार बायपास सर्जरी की सुविधा भी ग्वालियर वासियों को मिले, यह भी जरूरी है।

देश के लिए प्राण न्योछावर करने वाले अमर शहीदों की पुण्यतिथि मनाने से युवाओं में राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा मिलती है

ग्वालियर। आजाद सेवा समिति मुरार ग्वालियर के तत्वाधान में आज राष्ट्र के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि के अवसर पर आजाद चौक बारादरी स्थित आजाद चौक पर ग्वालियर के प्रबुद्ध नागरिकों ने सामूहिक रूप से एक गरिमा पूर्ण समारोह में पुष्पांजलि एवं श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, पुष्पांजलि सभा की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष एवं समाजसेवी मुकेश दुबे ने की जबकि कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व विधायक मुन्ना लाल गोयल भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जयप्रकाश राजोरिया भाजपा जिला उपाध्यक्ष अशोक जादौन वरिष्ठ भाजपा नेता एवं श्री रामलीला मंडल मुरार के पूर्व अध्यक्ष अशोक जैन भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष विवेक शर्मा भाजपा पूर्व पार्षद धर्मेंद्र राणा एवं बृजेश गुप्ता मौजूद थे कार्यक्रम में उपस्थित राष्ट्र भक्तों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं तथा समाजसेवियों को संबोधित करते हुए भाजपा नेताओं ने कहा कि देश के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले बलिदानी अमर शहीदों को याद करने से देश के

युवाओं में राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा जागृत होती है हम सभी को चाहिए कि युवाओं को अमर शहीदों के जीवन चरित्र के बारे में विस्तार से समय-समय पर अवगत कराएं जिससे देश को तोड़ने वाली शक्तियां अपने मंसूबों में कभी कामयाब नहीं हो सके कार्यक्रम का संचालन आजाद सेवा समिति के पदाधिकारी संतोष पांडे ने एवं आभार प्रदर्शन समिति के पदाधिकारी महेंद्र गुप्ता ने किया कार्यक्रम में राष्ट्रभक्त समाजसेवी मनीष भीलवार नरेश कटारे बंटी त्यागी शैलेश मित्तल मदनलाल लक्षकार रंजीत सिंह यादव सोनू दीक्षित जुगल गुर्जर श्रीमती मंजू झा श्रीमती गिरजा शर्मा मनोज दुबे दीपू मुद्गल गुलाब सिंह सिंगर संजय सिंह परमार उमेश सिंह यादव राजा शेजवार राघवेंद्र शर्मा रवि पचौरी गणेश समाधिया महेंद्र समाधिया विवेक दीक्षित सोनू लोहट जीवन कुशवाह आकाश आर्य योगेश मुस्तरीया दीपक पांडे विकास राठौर चंदन कुशवाह सुल्तान पंडित आदि उपस्थित थे।

वन विभाग के हत्थे चढ़े शिकारी

4 दिन पहले जंगल में चीतल का शिकार करने वाले 2 शिकारी पकड़े, मास, खाल व सिर बरामद

ग्वालियर । वन विभाग को एक बड़ी सफलता मिली है। 4 दिन पहले चीतल (हिरन) का शिकार करने वाले गैंग के दो शिकारी पकड़े गए हैं। इनके पास से चीतल की खाल, कुछ मास, सींग और सिर मिला है। पकड़े गए दोनों शिकारियों से पूछताछ के बाद कोर्ट में पेश किया गया है। पूछताछ में कई सालों से शिकार करने की बात यह कह रहे हैं। इस मामले में करंट लगाकर चीतल को मारना बता रहे हैं। शिकारियों ने खुलासा किया है कि उनके और शिकार के बीच में जो आता है वह उसे भी नहीं छोड़ते हैं। एसडीओ ग्वालियर राजीव कौशल ने बताया कि चार दिन पहले वनक्षेत्र में पनिहार चौकी के पास मऊच घाटी में एक चीतल के शिकार की सूचना मिली थी। जब वन विभाग की टीम वहां पहुंची

तो शिकारी चीतल को लेकर भाग चुके थे। टीम को शिकार होने के पुख्ता सबूत मिले थे। तभी से लगातार शिकारियों की छानबीन की जा रही थी। शनिवार सुबह मऊच घाटी के जंगल में एक बार फिर वही शिकारी गैंग चीतल का शिकार करने आई थी। इस इलाके में चीतल आसानी से चरते मिले जाते हैं। इसलिए यहां शिकारी आते रहते हैं। शिकारी टीम ने एक चीतल पर निगरानी शुरू की, लेकिन वह नहीं जानते थे कि वन विभाग की टीम ने उनको घेर लिया है। जैसे ही शिकारियों की नजर वन विभाग की टीम पड़ी तो वह भागे हैं। इनमें से दो को वन अमले ने पकड़ लिया। उनके 3 से4 साथी भाग गए हैं। पकड़े गए दोनों शिकारियों की पहचान गब्बर पुत्र अल्वेल सपेरा निवासी मऊच, इरशाद उर्फ छोटू खां निवासी मऊच के रूप में हुई है। जब इनकी निशानदेही पर इनके ठिकानों पर दबिश दी तो इनके घर से मारे गए चीतल का मास, हड्डियां, खाल व सिर बरामद हुआ है। सभी को जब्त कर आरोपियों से पूछताछ की गई है। साथ ही उन्हें कोर्ट में पेश किया गया है। पकड़े गए शिकारियों से पूछताछ में पता लगा है कि वह सपेरा समुदाय और नाथ समुदाय के हैं। वह सालों से शिकार पर ही जीवन यापन कर रहे हैं। वह तीर कमान, चाकू व कट्टा से शिकार को अंजाम देते हैं। पर कुछ समय से वह करंट लगाकर शिकार करते हैं। जहां चीतल आती हैं वहां वायरिंग कर बैटरी से जोड़ देते हैं।

युवक ने जहर खाया

ग्वालियर। जिले के डबरा थाने के सहराई क्षेत्र में एक पल्लेदार ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। जानकारी के अनुसार छोटू बाथम निवासी सिसगांव थाना गिजौर्रा सहराई में स्थित अपनी ससुराल के पास ही किराए का कमरा लेकर पल्लेदारी का काम कर रहा था।बीते रोज उसकी पत्नी मायके में थी और वह घर में अकेला था, तभी उसने जहरीला पदार्थ खा लिया जिससे उसकी मौत हो गई।पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।

रोजगार देने वाले एवं पाने वालों को प्रदेश सरकार ने मंच प्रदान किया : सांसद शेजवलकर

ग्वालियर। रोजगार देने वाले एवं रोजगार पाने वालों को रोजगार मेले के रूप में मंच प्रदान कर प्रदेश सरकार ने सराहनीय पहल की है। रोजगार मेले आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की अवधारणा को साकार कर रहे हैं। इस आशय के विचार सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने जिला स्तरीय रोजगार मेला के उदघाटन अवसर पर व्यक्त किए। शनिवार को यहाँ बिरलानगर स्थित महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के तहत लगाए गए जिला स्तरीय रोजगार मेले में कुल 3067 युवाओं के पंजीयन हुए। इनमें से 1421 युवाओं को विभिन्न कंपनियों ने ऑफर लेटर जारी किए। साथ ही 2326 युवाओं का कंपनियों ने नौकरी के लिये प्राथमिक रूप से चयन किया। रोजगार मेले के उदघाटन सत्र की अध्यक्षता जिला पंचायत प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा यादव ने की। इस अवसर पर

जिला पंचायत प्रशासकीय समिति के उपाध्यक्ष श्री शांतिशरण गौतम एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री किशोर कान्याल, संयुक्त संचालक कौशल विकास श्री डी वाय गंगाजली, उप संचालक रोजगार श्रीमती प्रियंका कुलश्रेष्ठ एवं आईटीआई के प्रधानाचार्य श्री सी एल कटारे सहित विभिन्न कंपनियों के अधिकारी व अभ्यर्थी मौजूद थे। रोजगार मेले का आयोजन जिला प्रशासन द्वारा जिला पंचायत, कौशल विकास व रोजगार एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के सहयोग से किया गया। नौकरी के लिये चयनित युवाओं को खासतौर पर ट्रेनी, कस्टमर केयर, एक्ज्यूकेटिव रिलेशनशिप, सुरक्षागार्ड तथा अन्य एक्यूकेटिव पदों के लिये शॉर्ट लिस्ट किया गया है।

खेत पर गए किसान का गला घोंट सिर पर पत्थर पटककर हत्या

ग्वालियर। पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के रायरू गांव के पास खेत पर गए किसान की अज्ञात लोगों ने गला घोंटकर सिर पर पत्थर पटक कर उसकी हत्या कर दी।देर रात किसान का शव तालाब के पास खून से लथपथ हालत में मिला पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के रायरू गांव निवासी 52 वर्षीय राजेन्द्र राजपूत पुत्र रामरतन राजपूत किसान है। रायरू फॉर्म के पास उनका खेत है। रोजना की तरह शुक्रवार को भी सुबह वह खेत पर गए थे। शाम करीब सात बजे तक काम किया। इसके बाद वह देर रात तक घर नहीं पहुंचे तो परिवार वालों के साथ ही आसपास के लोग राजेंद्र की तलाश में जुट गए साथ ही किसान के लापता होने की सूचना पुलिस को दी। काफी देर तक तलाश करने के बाद रात 12 बजे घर और खेत के बीच तालाब किनारे किसान का शव पड़ा मिला है। किसान के गले में साफी कसी हुई थी। । इसके बाद उसके सिर पर पत्थर पटका गया है इससे साफ जाहिर था कि स्टेशन की ा हत्या की गई है मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पीएम के लिए भेज मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी।

किसान आत्मनिर्भर होंगे तो देश भी आत्मनिर्भर बनेगा : राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कुशवाह

ग्वालियर। किसान आत्मनिर्भर होंगे तो अपना प्रदेश एवं देश भी आत्मनिर्भर बनेगा। इसी रोड़मैप पर चलकर मध्यप्रदेश सरकार किसानों के कल्याण में जुटी है। यह बात प्रदेश के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सिंह कुशवाह ने मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत आयोजित हुए जिला स्तरीय कार्यक्रम में मौजूद किसानों को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा यादव ने की। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में दमोह जिला मुख्यालय पर मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री श्री चौहान ने एक क्लिक के जरिए प्रदेश के 20 लाख किसानों के खाते में 400 करोड़ रूपए की धनराशि अंतरित की। जिसमें ग्वालियर जिले के 23 हजार किसानो के खाते में पहुँची लगभग 4 करोड़ रूपए की धनराशि शामिल है। दमोह में आयोजित कार्यक्रम एवं मुख्यमंत्री श्री चौहान के उदबोधन का सीधा प्रसारण किया गया, जिसे एलईडी स्क्रीन के जरिए

ग्वालियर में किसानों ने देखा और सुना। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री पद की चौथी बार शपथ लेने के बाद श्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्वालियर जिले के किसानों के खातों में 96 करोड़ रूपए की राशि पहुँचाई है। उन्होंने कहा मध्यप्रदेश देश में एक मात्र राज्य है जहां हर किसान के खाते में एक साल में 10 हजार रूपए की राशि पहुँचाई जा रही है। इसमें से 6 हजार रूपए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत तथा 4 हजार रूपए की राशि मुख्यमंत्री किसान योजना के तहत दी जा रही है। कार्यक्रम में जिला पंचायत प्रशासकीय समिति के उपाध्यक्ष श्री शांतिशरण गौतम, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, अपर कलेक्टर श्री टी एन सिंह व श्री रिंकेश वैश्य तथा जिले के अनुविभागीय राजस्व अधिकारी एवं उपसंचालक किसान कल्याण व कृषि विकास डॉ. आनंद बड़ोनिया सहित जिले के विभिन्न ग्रामों से आए कृषकगण मौजूद थे। जिला सतरीय कार्यक्रम के साथ-साथ जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें किसानों ने मुख्यमंत्री का ऑनलाइन उदबोधन सुना।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478